khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

सोमवार – 17 जुलाई 2023

वर्ष : 02 – अंक : 267

पृष्ठ–8 मूल्य – 1:00 रूपये

आरएनआई : UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

दृष्टिकोण

2 सबसे जीते एलडीए से हारे योगी..

3 समस्त अभियन्ता कड़ी मेहनत, पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी...

5 सेवानिवृत्त दलित बुजुर्ग एवं उनके परिवार संग करीब....

विपक्षी एकजुटता के जवाब में एनडीए का महाजुटान, 18 जुलाई को दिल्ली से बेंगलुरु तक बैठक

नई दिल्ली। 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में विपक्ष की दूसरी बैठक होने वाली है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने भी 18 जुलाई को दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक बुलाई है। इसमें उसने अपने पुराने और नए सहयोगियों को आमंत्रित किया है। सूत्रों ने कहा कि अब तक 19 दलों ने एनडीए बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए सहयोगियों को पत्र भेजा है। इनमें अजीत पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट और जीतन राम मांझी के हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा जैसे नए सहयोगी शामिल हैं।

एनडीए की बैठक संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले हो रही है। सूत्रों ने कहा कि इस बैठक में 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा की जाएगी।

एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। इसे सत्तारूढ़ गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन करने की भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान यह पहली बार है कि इस पैमाने की एनडीए बैठक हो रही है।

एनडीए की बैठक में कौन-कौन?

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के अलावा एनडीए की बैठक में भाग लेने वालों में बिहार के कई छोटे दलों के साथ-साथ पूर्वोत्तर के कई सत्तारूढ़ सहयोगी भी शामिल हैं। इनमें चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपी (रामविलास), उपेन्द्र कुशवाह की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, संजय निषाद की निषाद पार्टी, अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व वाली अपना दल (सोनेलाल), हरियाणा से जेजेपी, पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जनसेना शामिल हैं। इसके अलावा, एआईएडीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस और भारत मक्कल कालवी मुनेत्र कड़गम जैसे दल भी आएंगे। झारखंड से ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू), मेघालय से कॉनराड संगमा की एनसीपी, नागालैंड से एनडीपीपी, सिक्किम से एसकेएफ, जोरमथांगा की मिजो नेशनल फ्रंट और असम से एजीपी को भी बुलाया गया है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की संभावित सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि उन्हें एनडीए बैठक में शामिल होने के लिए अब तक नड्डा से कोई पत्र नहीं मिला है।

इसके अलावा फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या भाजपा चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाले टीडीपी और सुखबीर बादल के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल को इस बैठक में शामिल करेगी या नहीं। इनके साथ गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए पर्दे के पीछे बातचीत कर रही है। टीडीपी और एसएडी दोनों के सूत्रों ने कहा कि उन्हें शनिवार शाम तक एनडीए बैठक के लिए कोई निमंत्रण नहीं मिला है। सूत्रों ने बताया कि इस बार सहयोगियों के प्रति बीजेपी के रुख में बदलाव आया है। चिराग पासवान से केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने नड्?डा का निमंत्रण पत्र लेकर मुलाकात की। नित्यानंद राय ने शुक्रवार रात एक सप्ताह में दूसरी बार चिराग से मुलाकात की है। नड्डा ने एलजेपी को एनडीए का एक प्रमुख घटक और गरीबों के विकास और कल्याण के लिए मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयासों में भागीदार बताया है। अपने पूर्व सहयोगी बिहार के मुख्यमंत्री और जद (यू) सुप्रीमो नीतीश कुमार के पिछले साल अगस्त में दूसरी बार एनडीए से बाहर निकलने के बाद भाजपा ने चिराग पासवान को अपने साथ लाने के प्रयास शुरू किए। दिलचस्प बात यह है कि एनडीए से बाहर होने के बावजूद चिराग पासवान बीजेपी के फैसलों में समर्थन करते रहे थे। भाजपा ने बजट सत्र से पहले जनवरी 2021 में एनडीए के फ्लोर लीडर्स की बैठक में उन्हें निमंत्रण दिया था, लेकिन अपने तत्कालीन सहयोगी जेडीयू के विरोध के कारण इसे छोड़ना पड़ा। 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान नीतीश के खिलाफ प्रचार करने के लिए चिराग पासवान बिहार में एनडीए गठबंधन से बाहर हो गए थे। उनके चाचा पशुपति कुमार पारस को केंद्र में मंत्री बनाया गया। एलजेपी में विभाजन ने उन्हें कमजोर कर दिया। कहा जाता है कि चिराग पासवान की पार्टी के मूल समर्थन आधार को बनाए रखने में सफल रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा उन्हें तरजीह देने लगी है।

समंदर में फोटो लेते वक्त खौफनाक हादसा, देखते-देखते लहरों में बह गई महिला

मुंबई। खतरनाक जगहों पर सेल्फी लेने के चक्कर में कई बार लोगों की जान चली गई है। ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा मुंबई में हुआ। परिवार के साथ पिकनिक मनाने कई पत्नी अपनी पति की बाहों से कब अलग होकर समंदर की लहरों में बह गई पता ही नहीं चला। बड़ी-बड़ी लहरों को देखकर 12 साल की बेटी चीखती रह गई लेकिन फोटो खिंचवान में मस्त दंपती ने इस पर ध्यान नहीं दिया और महिला को जान गंवानी पड़ी। वीडियो में देखा जा सकता है कि समंदर के बीच पत्थर बैठकर पति

और पत्नी इंजॉय कर रहे हैं। साथ में ही परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद हैं। एक बच्ची वीडियो बना रही है। वीडियो में बच्ची की आवाज भी सुनी जा सकती है। अचानक बड़ी लहर आती है और महिला को बहाकर ले जाती है। बच्ची और पिता बस देखते रह जाते हैं। इसके बाद चीख-पुकार मचती है। बताया जा रहा है कि मृतक महिला का नाम ज्योति सोनार है। महिला के पति मुकेश ने बाद में बताया कि वह एक निजी कंपनी में टेक्निशन के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि पीछे से लहर ने जोरदार झटका मारा और दोनों ही पत्थर पर से फिसल गए। इसके बाद पत्नी को बचाने के लिए उन्होंने साड़ी पकड़ी लेकिन वह फिसल गईं। घटना शाम के करीब 5 बजे की है। घटा के बाद पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। तलाशी अभियान शुरू हुआ तो महिला का शव बरामद किया गया। मुकेश ने बताया कि वह अकसर पत्नी, 12 साल की बेटी और छह साल के बेटे के साथ पिकनिक पर जाया करते थे। उस दिन भी वे सभी पिकनिक मनाने बांद्रा बीच पर गए थे। वहीं तस्वीर लेते वक्त यह खौफनाक दुर्घटना हुई।

श्रावण के दूसरे सोमवार पर बाबा महाकाल करेंगे नगर भ्रमण

सोमवती अमावस्या का संयोग,जुटेगी भारी भीड़

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल श्रावण मास के दूसरे सोमवार (कल) को नगर भ्रमण करेंगे। इस बार सोमवार को अमावस्या पर्व भी है। इस वजह से सोमवती अमावस्या स्नान के लिए शिप्रा तट पर करीब तीन लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। महाकाल मंदिर में सोमवार शाम चार बजे कोटितीर्थ के पास सबसे पहले बाबा महाकाल की पूजा की जाएगी। इसके बाद बाबा रजत पालकी में बैठेंगे। मंदिर के प्रवेश द्वार पर बाबा की पालकी पहुंचेगी। यहां सशस्त्र पुलिस बल बाबा को गार्ड

ऑफ ऑनर देंगे। इसके बाद पुलिस बैंड की धुन पर बाबा महाकाल नगर भ्रमण करेंगे। इस वर्ष श्रावण-भादौ मास की बाबा महाकाल की 10 सवारियां निकलेंगी। कल (सोमवार) बाबा महाकाल की दूसरी सवारी रहेगी। बाबा महाकाल भक्तों को चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में दर्शन देंगे। पालकी के पीछे हाथी पर मन-महेश विराजीत रहेंगे। नगर भ्रमण के दौरान बाबा की पालकी रामघाट पहुंचेगी। यहां मां शिप्रा के जल से बाबा का जलाभिषक होगा। परंपरानुसार पालकी सायं सात बजे से पूर्व महाकाल मंदिर पहुंचेगी। स्कंद पुराण के अवंति खंड में सोमवती अमावस्या पर शिप्रा तीर्थ स्नान का महात्म्य है। इसीलिए लाखों श्रद्धालु तीर्थ स्नान करने उज्जैन पहुंचते हैं। शिप्रा तट के समीप ही सोमतीर्थ कुंड भी है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए फव्वारा स्नान की व्यवस्था की है।

देश के लगभग सभी हिस्सों में बारिश का पूर्वानुमान

नई दिल्ली। देश के लगभग सभी हिस्सों में अगले 24 घंटों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। देश की मौसम संभावित गतिविधि पर यह पूर्वानुमान स्काईमेट ने जारी किया है। इसमें कहा गया है कि दक्षिण-पूर्व राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, दक्षिण गुजरात, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक, छत्तीसगढ़, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश में कहीं हल्की, कहीं मध्यम और कहीं भारी बारिश होगी। स्काईमेट के अनुसार बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंतरिक महाराष्ट्र में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और आंतरिक कर्नाटक में हल्की बारिश संभव है। पिछले 24 घंटों के दौरान उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम के पश्चिमी हिस्सों, तटीय ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश की तलहटी, कोंकण और गोवा, दक्षिण गुजरात, ओडिशा, बिहार, विदर्भ, लक्षद्वीप, केरल, उत्तराखंड, दिल्ली के कुछ हिस्सों, उत्तरी हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और पूर्वी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस समय मानसून की धुरी का पश्चिमी छोर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण और पूर्वी छोर अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है। मानसून ट्रफ बीकानेर, नारनौल, ग्वालियर, सतना, डाल्टनगंज, दीघा और बंगाल की पूर्वोत्तर खाड़ी से गुजर रही है। दक्षिणी उत्तर प्रदेश के मध्य और हरियाणा और आसपास चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। आज बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण विकसित होने की उम्मीद है।

एनडीए का हिस्सा बने ओपी राजभर

अमित शाह से मुलाकात कर सुभासपा-भाजपा के गठबंधन का किया ऐलान

लखनऊ। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सुभासपा-भाजपा के गठबंधन का ऐलान कर दिया है। पिछले कई दिनों से भाजपा-सुभासपा के गठबंधन को लेकर जो कयास लग रहे थे उन पर अब विराम लग गया है। ओम प्रकाश राजभर एक बार फिर एनडीए का हिस्सा बन गए हैं। ओम प्रकाश राजभर ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात करके भाजपा-सुभासपा के गठबंधन की घोषणा की है। ओपी राजभर ने अमित से करीब एक घंटे तक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान राजभर ने पूर्वांचल की गाजीपुर, चंदौली और आजमगढ़ की लोकसभा सीट मांगी है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गाजीपुर लोकसभा सीट पर भाजपा और राजभर के बीच बात भी बन गई है हालांकि अभी चंदौली और आजमगढ़ लोकसभा सीट पर बातचीत चल रही है।

अमित शाह ने राजभर का एनडीए में किया स्वागत–एनडीए में शामिल हुए ओम प्रकाश राजभर का गृहमंत्री अमित शाह ने स्वागत किया है। अमित शाह ने ट्वीट करके कहा, राजभर से दिल्ली में हुई भेंट

के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में आने का निर्णय लिया। मैं उनका एनडीए परिवार में स्वागत करता हूं। शाह ने आगे लिखा, राजभर जी के आने से उत्तर प्रदेश में एनडीए को मजबूती मिलेगी और मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए द्वारा गरीबों व वंचितों के कल्याण हेतु किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा।

गठबंधन से पहले राजभर ने अमित शाह के सामने रखी शर्त, मांगीं तीन सीटें, एक पर बात बन गई

लखनऊ। करीब छह महीने से सुभासपा-भाजपा के गठबंधन को लेकर जो कयास लगाए जा रहे थे उन पर अब विराम लग चुका है। सुभासपा अध्यक्ष राजभर ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद सारे सस्पेंस खत्म कर दिए हैं। ओम प्रकाश राजभर अपने बेटे अरुण राजभर गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। एनडीए का हिस्सा बनने से पहले ओम प्रकाश राजभर ने गृहमंत्री के सामने तीन शर्तें भी रखीं। ये तीन शर्तें पूर्वांचल की तीन सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर थी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार तीन में से एक सीट पर बात भी बन गई है, जिस पर वह अपने छोटे बेटे अरुण राजभर को चुनाव लड़ाने की तैयारी में हैं। समाजवादी पार्टी से अलग होने के बाद से ही ओम प्रकाश राजभर दूसरे दलों के साथ गठबंधन को लेकर रास्ता खोज रहे थे। गठबंधन को लेकर राजभर ने पहले बसपा से संपर्क साधा लेकिन मायावती ने राजभर के लिए बसपा का दरवाजा ही नहीं खोला। इसके अलावा राजभर ने छोटे-छोटे दलों से भी गठबंधन किया। छह महीने पहले ही राजभर का मूड बदला और भाजपा के साथ जाने का मन बनाया। राजभर कई दिनों से भाजपा में जाने को लेकर हाथ-पांव मार रहे थे लेकिन उन्हें सही समय का इंतजार था। पिछले दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से हुई मुलाकात के बाद राजभर ने गठबंधन को लेकर तारीख तय कर दी थी, हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया था कि गठबंधन किससे होगा।

राजभर बेटे अरुण के साथ जब दिल्ली में अमित शाह से मिलने पहुंचे तो गठबंधन की बात भी साफ हो गई। राजभर ने शाह से करीब एक घंटे तक बात की। राजभर ने शाह से पूर्वांचल की गाजीपुर, आजमगढ़ और चंदौली सीट मांगी। राजभर और अमित शाह के बीच गाजीपुर लोकसभा सीट को लेकर बात भी बन गई है। राजभर इस सीट से छोटे बेटे अरुण राजभर को लोकसभा का चुनाव लड़ाएंगे। इसको लेकर उन्होंने पूरी तैयारी कर ली है। वहीं दूसरी ओर एनडीए में शामिल हुए राजभर को एक बार फिर योगी सरकार मंत्री पद दे सकती है।

बालिका गृह कांडः सजायाफ्ता किंगपिन ब्रजेश ठाकुर की मां और पत्नी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, आया यह फैसला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम मामले में बलात्कार के दोषी बृजेश ठाकुर की मां और पत्नी को बड़ी राहत दी है। प्रक्रिया पूरी होने तक गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए अंतरिम सुरक्षा बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए राहत बढाई कि याचिकाकर्ता महिलाएं हैं और मां की उम्र अधिक है। इस मामले में ब्रजेश ठाकुर और उसके परिवार के सदस्यों पर जिनमें मां और पत्नी भी शामिल हैं, धनशोधन निवारण अधिनियम-2002 के तहत आरोप लगाया गया। सीबीआई की जांच में कहा गया है कि उन्होंने एनजीओ में बच्चों के कल्याण के लिए सरकार और अन्य स्रोतों से प्राप्त धन का सही उपयोग नहीं किया, बल्कि उसका व्यक्तिगत उपयोग किया और संपत्तियों का अधिग्रहण किया।

बड़े पर्दे पर दिखेगी बालिका गृह कांड की खौफनाक कहानी: 'गैंग्स ऑफ बिहार' फेम नीरज बना रहे फिल्म, निर्माता चार महिलाएं

ब्रजेश ठाकुर की मां मनोरमा देवी और उसकी पत्नी कुमारी आशा ने पटना उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। जस्टिस ए.एस. बोपन्ना और जस्टिस एम.एम. सुंदरेश की पीठ ने कहा, याचिकाकर्ताओं को दी गई अंतरिम सुरक्षा प्रक्रिया पूरी होने तक बढ़ा दी गई है, बशर्ते कि याचिकाकर्ता आगे की

प्रक्रिया में आवश्यकता पड़ने पर गंभीरता से शामिल हों। गौरतलब है कि एनजीओ फंड का अवैध रूप से दुरुपयोग करने के लिए ठाकुर और उसके परिवार के सदस्यों पर पटना में केस दर्ज किया गया था।

इस बड़े और चर्चित कांड में ब्रजेश ठाकुर सहित कई आरोपियों के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम- 2002 की धारा- 45 के तहत पटना स्थित विशेष न्यायालय के समक्ष मामला दायर किया गया था। 26 मई 2018 को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस की रिपोर्ट में पहली बार मुजफ्फरपुर के बालिका गृह में नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी का खुलासा हुआ था। टिस की रिपोर्ट सामने आने के बाद मुजफ्फरपुर जिला प्रसाशन की ओर से एफआईआर दर्ज कराया गया और ब्रजेश ठाकुर की तत्काल गिरफ्तारी कर ली गई। बाद में 26 जुलाई 2018 को राज्य सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी। उसके बाद 27 जुलाई 2018 को सीबीआई ने बालिका गृहकांड की एफआईआर पटना स्थित अपने थाने में दर्ज की थी और जांच में ब्रजेश ठाकुर और उसके परिजनों एवं कर्मियों को आरोपी बनाया। सीबीआई ने इस मामले में 21 लोगों को आरोपी बनाया जिनमें 10 महिलाएं भी हैं। उनपर आरोप लगा कि बालिका गृह की में आने वाली लड़कियों के साथ हो रही दरिंदगी को छिपाती रहीं। महिलाओं ने बच्चियों को चुप रहने के लिए उनको यातनाएं भी दीं जिसका खुलासा जांच में हुआ। मुजफ्फरपुर बालिका गृह में तैनात रसोइयां से लेकर गेटकीपर तक पर लड़कियों के साथ दुष्कर्म करते थे। इस कांड में 34 लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़ण किया गया। इस मामले में नीतीश सरकार में मंत्री मंजु वर्मा को पद छोड़ना पड़ा.

प्रवर्तन जोनो में अधिकारियों की संलिप्तता से चल रहे हैं, धुआंधार अवैध निर्माण

सबसे जीते एलडीए से हारे योगी

धाकड़ मुख्यमंत्री की छवि धूमिल करने में लगे प्राधिकरण के अफसर

राजकुमार जोन 7

राजेश अवस्थी जोन 7

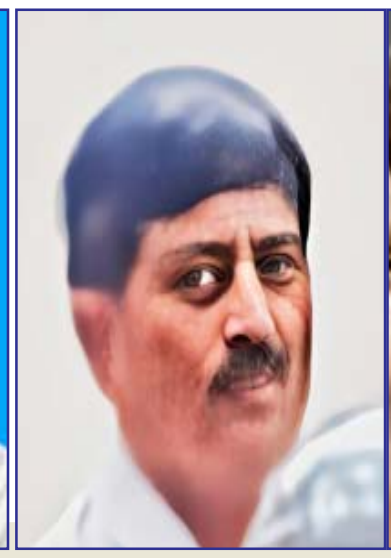
दुर्गेश श्रीवास्तव जोन 7

नाजिम रजा जोन 7

के.डी तिवारी जोन 7

वर्षो से तैनात माहिर खिलाड़ी (सुपरवाइजर) को बनया कमाऊ पूत

संवाददाता आनन्द गुप्ता।
दैनिक खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। एलडीए अधिकारी के आगे योगी जैसे दमदार मुख्यमंत्री भी बेबस नजर आ रहे हैं। पूरे उत्तरप्रदेश में ध ाकड़ कहे जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभालने के बाद ही एलडीए के संरक्षण में बनाये जा रहे अवैध बिल्डिंगों पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाये लेकिन हर कदम को एलडीए के अधिकारियों ने ठेंगा दिखा दिया। आज भी राजधानी में दर्जनों भवन ध इमारत एलडीए के अधिकारियों के संरक्षण में अवैध तरीके से बन रही हैं और मुख्यमंत्री का आदेश धूल फांक रहा है। जब कभी कोई मामला तूल पकड़ता है तो एलडीए के अधिकारी अपनी गर्दन बचाने के लिए अवैध निर्माणाधीन भवन को सील या ध्वस्त कर देते हैं। हैरत की बात है एलडीए के जिम्मेदार अधिकारी ने आज तक अवैध निर्माणों को बनवाने बिल्डरों को संरक्षण देने वाले किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। शासन को गुमराह करने के लिए कागजों पर कभी–कभार कार्रवाई का दिखावा कर,पत्र लिखा भी तो बाद में निरस्त कर दिया या ठंडे बस्ते में डाल दिया। सबसे बड़ी बात तो यह है कि लखनऊ में दर्जनों ऐसे भवनध्इमारत हैं जिनको एलडीए ने कागज पर सील कर दिया और उसकी रिपोर्ट संबंधित थाने में करा दी। लेकिन हकीकत तो यह है कि ऐसे भवन बनते रहे और लोग रहने भी लगे।

एलडीए के अधिकारियों का एक नया पैंतरा देखिये

जोनल अधिकारी व सहायक अभियंता सुपरवाइजरो को अपनी कमाई का मोहरा बना लिया है और जो अखंड भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं मगर ये अधिकारी अपना दामन दागदार नहीं करना चाहते सूत्रों की माने तो जोनल अधिकारी व सहायक अभियंता ने जोन के सुपरवाइजरो को अपनी कमाई का माध्यम बना लिया है जिसमे जोन 7 के नाजिम रजा, राजेश अवस्थी,राज कुमार,दुर्गेश श्रीवास्तव,कृष्ण दत्त तिवारी माहिर खिलाड़ियों को लगा रखा है जो लंबे लंबे समय(कई वर्षो) से जोन 7 के क्षेत्रों में तैनात है इन सुपरवाइजर को क्षेत्रों कहीं भी गड्ढा खोदते जाते ही भनक लग जाती है क्षेत्र के अवर अभियंता से पहले ही सुपरवाइजर को अवैध निर्माण की जानकारी मिल जाती है, जिस पर गौर करते हुए कुछ जोनल अधिकारियों ने सीधे तौर पर सुपरवाइजरो अपना राजदार बना लिया है।

साहब की मेहरबानी से सुपरवाइजर का भी मनोबल बढ़ता जा रहा है।

जोन के अवैध निर्माणों की जानकारी क्षेत्र के अवर अभियंता और सहायक अभियंता के माध्यम से जोनल अधिकारी को सेंसर की हुई रिपोर्ट प्राप्त होती, मगर अब ये सुपरवाइजरो द्वारा अधिकारियों को गोपनीय सूचना पहले दे दी जाती है जिसके बाद सभी अवैध निर्माणों की जानकारी जोनल अधिकारी के पास पहुंच जाती है।

जिसमें अवर अभियंता और सहायक अभियंता नोटिस देने के बाद खानापूर्ति कर अपना दामन बचा लेते है। इसके अलावा अधिकारियों के मुंह लगे सुपरवाइजर अवैध निर्माण कराने वाले बिल्डर और जोनल अधिकारी व सहायक अभियंता के बीच का माध्यम बन जाते हैं। ये सुपरवाइजर बिल्डर से सेटिंग करके उससे जो भी नजराना मिलता है उसमें से अपना कमीशन काटकर वह उसे जोनल अधिकारी व सहायक अभियंता के पास पहुंचा देता है। इससे जोनल अधिकारी को सुरक्षित तौर पर रिश्वत लेने का नया तरीका हाथ लग गया है। इस तरह का खेल लविप्रा के प्रवर्तन विभाग के मलाईदार क्षेत्रों में, खासतौर जोन 7 में बड़े पैमाने पर चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि कुछ जोनल अधिकारियों की शिकायतें उपाध्यक्ष के कानों तक भी पहुंच चुकी हैं जिसके बाद उनको उनके पद से हटा दिया गया है,मगर इन सुपरवाइजरो के मार्गदर्शन से जोनल अधिकारियों व सहायक अभियंता और सुपरवाइजर के बीच का गठबंधन अभी भी पूरी शिद्दत के साथ जारी है और यहां गठबंधन लोगों में चर्चा विषय हुआ है।

हजार टीम के सरगना ने साथियो संग बदला लेने के लिए युवक को अगवा कर बेरहमी से की पिटाई

बंद कमरे में की पिटाई , हालत गंभीर ट्रामा में भर्ती कर चल रहा है इलाज। भाई की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ आशियाना थाने में मुकदमा दर्ज।

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में एक हजार गुट के सरगना ने अपने साथियो संग मिलकर पुराने झगडे के विवाद में शुक्रवार दोपहर असलहे के दम पर सरेराह युवक को अगवा कर उसे सुनसान स्थान पर लेजाकर अपने अन्य साथियो की मदद से लाठी डंडो से बेरहमी से पिटाई कर अध ामरा कर दिया और मरा हुआ समझकर छोड़ कर भाग गए इध ार कंट्रोल नंबर पर अगवा की सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

वही एक युवक ने बेहोशी हालत में युवक को उसके घर पहुँचाया जहाँ से परिजन लोकबंधु अस्पताल ले गए अस्पताल में डॉक्टरों ने गंभीर हालत देख ट्रामा के लिए रेफर कर दिया है जहाँ युवक का भर्ती कर इलाज चल रहा है वहीँ भाई की तहरीर पर स्थीय पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आशियाना क्षेत्र के बंगली गली निवासी प्रियाशु कनौजिया पुत्र श्रीराम सूरत के मुताबिक वह शुक्रवार दोपहर पॉवर हॉउस चौराहे अपने भाई उज्जवल के

साथ मैरी गार्डनर कान्वेन्ट स्कूल स्थित से–जी के पास खड़ा था तभी अचानक सोनू रावत उर्फ चाउमीन, अभिषेक उर्फ बाघा, वरुण उर्फ गुज्जर, अभिषेक, दिलीप पाठक, सुभाष अन्य अज्ञात 8–10 साथियों के साथ मोटर साइकिलों से आए और चाउमीन व वाधा ने असलहा निकाला और हम लोगो से गाली गलौज व भागे तो जान से मार देंगे की ध मकी देने लगे जिस कारण हम दोनो भाई डर कर भागने लगे आगे जाकर मेरे भाई उज्जवल को उन लोगो ने पकड़ लिया और असलहे के दम पर जबरन गाडी मे बिठाकर कही ले कर चले गए जिस घटना की जानकारी उसने अपनी माँ को दी। माँ ने घटना की सूचना कंट्रोल नंबर पर पुलिस को दी। अगवा की सुचना कंट्रोल नंबर पर प्रसारित होते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गई और आरोपियों व उज्जवल की तलाश कई टीमें लगा दी गई।

लगभग एक घंटे बाद मेरे भाई को मरणासन्न स्थिति में सौरभ घर लेकर आया तो देखा कि मेरा भाई गंभीर रुप से घायल है उसके पैर टूटे हुए थे जिसे लेकर हम लोग लोकबंधु अस्पताल गए वहां पर मेरे भाई उज्जल को होश आया तो बताया कि उसे एक कमरे मे बंद कर बहुत मारा है जब वह बेहोश हो गया है तो उसे पुनः होश में लाकर मारा और मोबाइल व 600 रु छीन लिया। लोकबन्ध J अस्पताल में डॉक्टरों ने युवक की गंभीर हालत देख मेडीकल कालेज ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है जहां पर उसकी स्थित गंभीर बनी हुई है और घायल का भर्ती कर इलाज चल रहा है। वहीं घायल के भाई प्रियांशु ने स्थानीय थाने पर आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत की है शिकायत पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

आशियाना थाने के सामने साथियो संग चाकू बाजी लूट के मामले में घायल स्थानीय थाने से चल रहा था वांछित।

हाल ही में हत्या के आरोप में जेल से जमानत पर रिहा हुए उज्जवल के खिलाफ स्थानीय आशियाना थाने पर लड़ाई झगडे के दो दो मामले दर्ज हुए। उज्जवल का नाम पिछले दिनों आशियाना थाने के सामने सेक्टर के मोड़ पर देर रात अभिषेक कुमार उर्फ बाघा पर हमला कर मोबाईल लूट में आया था जिसमे मुकदमा दर्ज कर पुलिस उज्जवल की तलाश की तलाश कर रही थी लेकिन पुलिस टीम नाकाम रही और उज्जवल विपक्षियों के हाथ लग गया।

आशियाना कार्यवाहक प्रभारी राजेंद्र वर्मा के मुताबिक घायल का उपचार ट्रामा में भर्ती कर चल रहा है। घायल के भाई ने मुकदमे में कई लोगो को नामजद किया है जिसके लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है। सोनू रावत उर्फ चाउमीन के खिलाफ आशियाना और आसपास के थानों में कई मुकदमे दर्ज है एक हजार टीम सरगना के रूप में उसका नाम प्रकाश में आया है।

सभासद के पति पर हमले के आरोपियों को नही पकड़ सकी पुलिस

मोहनलालगंज के बिन्दौवा में सभासद के पति पर जानलेवा हमले के फरार आरोपियों को 41 दिन बाद भी गिरफ्तार नही कर सकी पुलिस

केन्द्रीय राज्यमंत्री के डीसीपी दक्षिणी को हमलवारो को पकड़ने के दिये निर्देश भी नही आये काम

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के बिन्दौवा गांव में सभासद के पति पर जानलेवा हमले के आरोपियों को पुलिस अब तक नही पकड़ सकी,घटना के 41 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों को चिन्हित कर जल्द पकड़ने के दांवे करने वाली मोहनलालगंज पुलिस के हाथ पुरी तरह खाली है।जब कि केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने डीसीपी दक्षिणी विनीत जायसवाल को हमलवारो के गिरफ्तारी के निर्देश भी दिये थे।लेकिन मोहनलालगंज पुलिस की सुस्ती के चलते हमलावर पकड़े नही जा सकें।जिसको लेकर पीड़ित सभासद व क्षेत्रीय लोगो में आक्रोश व्याप्त हैं। ज्ञात हो 5जून की देर रात मोहनलालगंज नगर पंचायत के वार्ड न०6की सभासद लक्ष्मी के पति आनन्द कुमार द्विवेदी निगोहां में अपनी बाइक से मोहनलालगंज के बिन्दौवा स्थित घर लौट रहे थे,तभी रास्ता रोके खड़े आधा दर्जन अज्ञात हमलावरो ने उनकी बुरी तरह पिटाई व धारदार हथियार से सिर पर वार के बाद गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया था,जिसके बाद आनन्द मोहन के बेहोश होने पर उसे मरा समझकर हमलावर मौके से भाग निकले थे, सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजन मरणासन्न हालत में आनन्द को इलाज के लिये ट्रामा सेंटर लेकर गये थे।पीड़ित के चाचा की तहरीर पर पुलिस ने आधा दर्जन अज्ञात हमलवारो पर हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर पुलिस हमलावरो को चिन्हित कर जल्द गिरफ्तारी के दांवे तो करती रही लेकिन घटना के 41दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नही कर सकी।जब कि घटना के बाद पीड़ित आनन्द मोहन के घर मिलने पहुंचे केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने डीसीपी दक्षिणी विनीत जायसवाल को मौके से फोन कर हमलावरो के जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश भी दिये थें।जोन के अफसरो की लापरवाही व मोहनलालगंज पुलिस के सुस्त रवैये के चलते सभासद पति पर जानलेवा हमले के आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहे है ओर पीड़ित परिवार दहशत में है।

जी0आई0एस0 बेस्ड महायोजना-2031 का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग नितिन रमेश गोकर्ण की अध्यक्षता में 20 जुलाई को अपरान्ह 4.00 बजे उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, मुख्यालय महात्मा गॉधी मार्ग, लखनऊ के सभाकक्ष में भारत सरकार की अमृत योजना के अन्तर्गत विकास क्षेत्रों की जी0आई0एस0 बेस्ड महायोजना–2031 का वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, गाजियबाद, बरेली, मुरादाबाद विकास प्राधिकरणों द्वारा प्रस्तुतिकरण किया जायेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण हेतु अनुदान सं–13 में 258 करोड़ से अधिक की धनराशि की स्वीकृति की गयी प्रदान

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अन्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रांश की प्रथम किश्त के प्रथम अंश की ध नराशि रुपये 15494.80लाख एवं उसके सापेक्ष मैचिंग राज्यांश की धनराशि रू०10329.86667लाख , कुल धनराशि रुपये 25824.66667 लाख (रुपये दो सौ अट्ठावन करोड़ चौबीस लाख छात्र हजार छरूसौ सरसठ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है ।इस संबंध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश में निर्देश दिए गए हैं कि योजनान्तर्गत स्वीकृत की जा रही धनराशि स्टेट नोडल बैंक एकाउन्ट से पी०एफ०एम०एस० के. माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खाते में अन्तरित की जायेगी ।यह भी निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत की जा गयी धनराशि का आहरण ध व्यय अनुमोदित कार्य योजना एवं मदों में, योजना हेतु निर्धारित गाईडलाइन्स एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि धनराशि के आहरण के सम्बन्ध में समय–समय पर निर्गत शासनादेशो एवं वित्तीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और ग्राम्य विकास आयुक्त द्वारा सम्बंधित जनपदों की मांग व आवश्यकता का परीक्षण करते हुये धनराशि आवंटित की जायेगी।

नगराम पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण संवाददाता सुनील मणि

नगराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत रसूलपुर निवासी सुखराम उर्फ जनता पुत्र नन्हे निवासी ग्राम रसूलपुर मजरा समेसी निवासी काफी दिनों से कोर्ट पर गैरहाजिर है। जिस कारण एनबीडब्ल्यू वारंट होने के कारण नगराम पुलिस ने उन्हें वाहन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर जेल भेजा। गिरफ्तारी टीम में थाना प्रभारी हेमंत कुमार राघव ,उपनिरीक्षक संजय सिंह, कांस्टेबल अमित कुमार ,और संजय सिंह उपस्थित रहे।

समस्त अभियन्ता कड़ी मेहनत, पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराएँ

प्रत्येक कर्मचारी एवं अधिकारी अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से करें– स्वतंत्र देव सिंह

खबर दृष्टिकोण लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के जल शक्ति स्वतंत्र देव सिंह की उपस्थिति में आज यहाँ सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के डा० राम मनोहर लोहिया परिकल्प भवन, लखनऊ के सभाकक्ष में नवप्रोन्नत सहायक अभियन्ता (यॉंत्रिक) का पारदर्शिता पूर्ण व्यवस्थान्तर्गत पदस्थापना हेतु उनके द्वारा ऐच्छिक विकल्प चयन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पारदर्शिता पूर्ण व्यवस्थान्तर्गत पदस्थापन प्रक्रिया के तहत 39 सहायक अभियंताओं (यांत्रिक) तथा 04 अधीक्षण अभियंताओं द्वारा ऐच्छिक विकल्प का चयन किया गया। ऐच्छिक विकल्प चयन आधारित प्रक्रिया द्वारा विकल्प चयन प्रक्रिया पर नव प्रोन्नत सहायक अभियन्ताओं द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गयी। जल शक्ति मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पारदर्शितापूर्ण व्यवस्था के तहत निष्पक्ष पदस्थापना सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने समस्त अभियन्ताओं से कड़ी मेहनत, पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गयी। जल शक्ति मंत्री ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पदस्थापना प्रक्रिया में भाग ले रहे सहायक अभियन्ताओं का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि प्रत्येक कर्मचारी एवं अधिकारी अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए तथा प्रदेश के कृषकों को सिंचाई विभाग का पूर्णतः लाभ उपलब्ध कराना चाहिए। जल शक्ति मंत्री ने सरकार की प्राथमिकताएं गिनाते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परिश्रम की पराकाष्ठा पर जाकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंऔर सरकार की योजनाओं के लाभ को गांव के निचले तबके तक पहुँचायें। कोई भी अधिकारी और कर्मचारी अपने हेडक्वार्टर से बाहर नहीं रहेगा, अपने हेडक्वार्टर पर ही रह कर विभागीय दायित्वों का निर्वहन करें। विभाग में अमूल चूल सकारात्मक परिवर्तन आया है। विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन बहुत ही अच्छे से कर रहे है। कृषकों की हर संभव मदद की जा रही है। कृषकों के खुशहाल होने से आज देश भी खुशहाल है। आज देश एवं प्रदेश के बारे में लोगो की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने इस अवसर पर सभी अभियंताओं को बधाई देते हुए कहा कि अन्नदाता किसान पूरे समाज की सेवा कर रहे हैं इनकी मदद करना हमारा दायित्व है। यदि विभाग द्वारा दी गई जिम्मेदारी में किसी प्रकार की लापरवाही करेंगे तो ईश्वर भी माफ नहीं करेगा। अपने दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। कार्यक्रम में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद, विशेष सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, प्रमुख अभियन्ता (यांत्रिक) देवेन्द्र अग्रवाल, प्रमुख अभियन्ता (परियोजना) के साथ अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जानवर बंधाने का विरोध पर महिला व उसके परिजनो को पीटा

मोहनलालगंज |मोहनलालगंज के पुरनपुर मजरा बगहनखेड़ा निवासी सुनीता ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया रविवार की सुबह वो अपनी जमीन पर जानवर बांधने गयी थी तभी शराब के नशे में धुत विपक्षी अवधेश ने मौके पर आ धमका ओर बदनियती से उसे पकड़ने का प्रयास किया,जिसके बाद किसी तरह मौके से अपने घर पहुंचकर परिजनो को बताया तो उन्होने विपक्षी से विरोध जताया,जिसके बाद नाराज विपक्षी अवधेश ने अपने भाई जोगी व नारेन्द्र के साथ मिलकर लाठी डंडो से हमला कर उसकी व परिजनो को बुरी तरह पिटाई कर घायल कर दिया |सूचना पर डायल–112 पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकलें |जिसके बाद पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर पूरे मामले की पुलिस से लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की तो पुलिस ने जांच के बाद कार्यवाही की बात कहकर चलता कर दिया |पीड़िता ने बताया विपक्षी के प्रभाव में आकर हल्का दारोगा ने उल्टा उसके परिजनो के ही विरूद्व ही मुकदमा दर्ज कर दिया |इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया दो पक्षो में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हुयी थी,एक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है दूसरे पक्ष की तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

पिता-पुत्र की पिटाई के आरोपियो पर मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज |मोहनलालगंज के कोराना गांव निवासी रमन कुमार ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीते शनिवार की शाम वो अपने खेत जा रहा था तभी विपक्षी रामेश्वर, कुलदीप, संदीप, संजीत, पदुमन ने जबरन उसे रास्ते में रोककर लाठी डंडो से हमला कर बुरी तरह पिटाई कर घायल कर दिया,चीख पुकार सुनकर बचाने आये पिता रामदत्त की भी आरोपियों ने बुरी तरह पिटाई कर जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकलें |इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर पांच आरोपियों के विरूद्व मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

जालसाजोंने मोबिक्विक वायलेट जिप पे द्वारा खाताधारक के खाते से 53 हजार रूपये हड़पे

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग |आशियाना थाना क्षेत्र में जालसाजों ने एक खाताधारक को फोन काल कर कस्टमर केयर बन नंबर बदलने का झांसा दे खाते से दो बार में 53 हजार रूपये ट्रांसफर कर लिए। जिसकी शिकायत खाताधारक ने साइबर सेल में कर स्थानीय थाने पर शिकायत की है। आशियाना थाना क्षेत्र के सैनिक नगर निवासी उत्कर्ष त्रिपाठी पुत्र राजनाथ त्रिपाठी के मुताबिक बीते 8 जुलाई की शाम उसके मोबाईल फोन पर एक काल आया कॉलर ने कस्टमर केयर बन कहा कि मोबिक्विक कस्टमर केयर से बोल रहा हूँ आपका मोबिक्विक वलेट का नंबर बदला गया है, क्या आपको इसकी जानकारी है। अगर हां तो फोन पर एक दबाए और अगर इसकी जानकारी नहीं है तो दो दबाएं, जिसपर पीड़ित ने दो नंबर दबा दिया और नंबर दबाते ही उसके खाते से दो बार में 53 हजार 926 रुपये कट गए द्य जिससे विधुत पे किया गया द्य जिसकी जानकारी होने पर पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत कर स्थानीय थाने पर शिकायत की है । पुलिस ने शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है ।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने किया स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उ.प्र. की आधिकारिक वेबसाइट http://uplfa-up-gov-in का लोकार्पण

विभाग की पत्रिका 'संवीक्षा' के प्रथम अंक का किया विमोचन

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ.प्र. के कार्यों व गतिविधियों को डिजिटलाइज करने के लक्ष्य से सृजित स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट ीजजचरूध्ध्नचसं.िनच. हवअ.पद का लोकार्पण किया। इसी के साथ स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की पत्रिका 'संवीक्षा' के प्रथम अंक का विमोचन किया।

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना आज लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के राजपत्रित अधिकारी संघ के 12वें द्विवार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वित्तीय अनुशासन किसी भी सरकार के लिए महत्वपूर्ण अंग है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस पर विशेष जोर दिया है । उन्होंने कहा कि यदि आर्थिक स्थिति ठीक होगी तो बाकी सारी स्थितियां ठीक होती है। आर्थिक स्थिति में यदि कहीं विचलन, फिजूलखर्ची या गड़बड़ी है तो वह सभी को प्रभावित करने वाला होता है और भविष्य में ज्यादा कष्ट देता है। यह विभाग बधाई का पात्र है कि सरकार की वित्तीय नियंत्रण में सहयोग के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा है। वर्तमान सरकार ने वित्तीय मितव्ययिता के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार वित्तीय मितव्ययिता के साथ साथ फिजूलखर्ची को रोकने के लिए संवेदनशील है। जहां कहीं भी ऐसे मैटर आते हैं वहां पर सभी पक्षों को सुनते हुए इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग वित्तीय अनियमितता को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण विभाग है। खन्ना ने कहा कि स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग स्थानीय निकायों के साथ शैक्षणिक एवं राज्य अनुदानित संस्थाओं के वित्तीय पहलुओं पर एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाता है। राज्य सरकार के अनुदानों की सम्यक विवेकपूर्ण व्यय पर निगाह रखते हुये आर्थिक व गुणात्मक दोनों उपयोगिता को सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी प्रदेश, मण्डल या जनपद स्तर पर आडिट का पर्यवेक्षण तथा गुणवत्तापूर्ण निष्कर्ष की प्राप्ति में सराहनीय भूमिका निभाते हैं। शासन तथा प्रशासन के मध्य समन्वय का कार्य करते हैं। विगत कई

वर्षों में कई उल्लेखनीय प्रकरण रहे है जिसमें अधिकारियों की सजगता एवं कर्मठता से वित्तीय विचलन की पुनरावृत्ति को रोका जा सका है, इसलिये यह विभाग साधुवाद का पात्र हैं। सरकार की तरफ से मैं आश्वस्त करता हूँ कि ये अपने कर्तव्यों का शुचितापूर्वक पालन करें, इस हेतु किसी भी प्रकार का मार्गदर्शन करने हेतु प्रशासकीय विभाग (वित्त विभाग) सदैव तत्पर है। खन्ना ने कहा कि ऐसा संज्ञान में आया है कि विभाग कतिपय चुनौतियों यथा जनशक्ति का अभाव, अल्प पदोन्नति के अवसर, लखनऊ के मुख्यालय भवन स्थानान्तरण आदि का सामना कर रहा है। इस सम्बन्ध में निदेशक तथा राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष द्वारा प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है, इनका यथा सम्भव समुचित निराकरण करने का प्रयास किया जायेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग की आज लोकार्पित आधिकारिक वेबसाइट को सामान्य नागरिकों द्वारा विभिन्न सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के दृष्टिकोण से उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारा विश्वास है कि यह वेबसाइट सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी एवं आने वाले समय में विभाग द्वारा अन्य सेवाओं को भी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। इस अवसर पर विशेष सचिव पी0डी0 उपाध्याय, निदेशक स्थानीय निधि लेखा परीक्षा ऐ0के0 सिंह एवं राजपत्रित अधिकारी संघ के सचिव विश्वनाथ पाण्डेय तथा अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता एवं विभिन्न विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पारस आर इन होटल में राजधानी प्रेस क्लब की मीटिंग का हुआ शुभारंभ

राजधानी प्रेस क्लब का हुआ गठन

राजधानी प्रेस क्लब के नवनियुक्त पदाधिकारियों का किया गया सम्मान

बड़ी संख्या में पत्रकार हुए शामिल , पत्रकारों का किया गया भव्य स्वागत

खबर दृष्टिकोण लखनऊ।

सरोजनी नगर। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र के अंतर्गत दरोगा खेड़ा लखनऊ कानपुर हाइवे पर पारस आर इन होटल में दिन रविवार को राजधानी प्रेस क्लब का गठन किया गया। मीटिंग आयोजन में दो सम्मानित संरक्षक वरिष्ठ भाजपा नेता संजय सिंह चौहान और राव अजीत सिंह संरक्षक की नेतृत्व में क्लब के नवनियुक्त पदाधिकारियों का चयन किया गया।

जिसमे आए हुए बड़ी संख्या में पत्रकारों ने समर्थन किया व फूलों की माला पहना कर भव्य स्वागत किया । क्लब के नवनियुक्त पदाधिकारी विश्वजीत राव अध्यक्ष, संतोष उपाध्याय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, धर्मेंद्र तिवारी उपाध्यक्ष, अरशद खान उपाध्यक्ष, शैलेंद्र द्विवेदी संगठन मंत्री, नीरज श्रीवास्तव महामंत्री , शैलेंद्र कुमार मीडिया प्रभारी और अशोक द्विवेदी कोषाध्यक्ष का उपस्थित सरक्षक व पत्रकारों ने सम्मान किया और बधाई दी। इस मौके पर संरक्षक संजय सिंह चौहान ने कहा कि हमारे देश का चौथा स्तंभ जो हमारे समाज और देश को नई राह दिखाता है और जन समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाता है। इसलिए सभी पत्रकार बंधुओं निष्पक्ष और निर्भय होकर पत्रकारिता करें। मैं हर वक्त आपके दुख और सुख में साथ रहूंगा । संरक्षक राव अजीत सिंह ने उपस्थित पत्रकारों को राजधानी प्रेस क्लब बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि सभी पत्रकार बंधु एकजुट रहे हैं मैं उनके साथ हूं। क्लब के नवनियुक्त पधाधिकारियो ने अपनी अपनी विचारधारा रखी, कहा कि पत्रकार एकता को मजबूत करना है, साथ ही संगठन की संख्या बढ़ाते रहना है। जब पत्रकार एक होंगे तभी चौथा स्तम्भ मजबूत होगा और किसी भी पत्रकार के साथ दुर्व्यहार को बर्दास्त नही किया जाएगा। इस मौके पर अजहर खान, आईबीएन संपादक आलोपी वर्मा, राहुल तिवारी वरिष्ठ पत्रकार, संदीप शुक्ला राष्ट्र नमन, अमित शर्मा एन डब्लू न्यूज, आशीष श्रीवास्तव, नितिन शर्मा, जमाल मिर्जा, रवींद्र सिंह चौहान, उत्सव सिंह, जुनैद खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहें।

सोनभद्र मे 4 खनन पट्टाधारकों के विरुद्ध शास्ति तथा खनिमुख मूल्य को किया गया अधिरोपित

अधिरोपित धनराशि जमा होने तक खनन कार्य किया गया प्रतिबन्धित

2 खनन पट्टे किये गये निरस्त, सोनभद्र के समस्त खनन पट्टा क्षेत्रों की एक नियमित अन्तराल पर जाँच करायी जाय।, जॉच हेतु जिला खनिज न्यास निधि के माध्यम से ड्रोन का उपयोग किया जाय।

डा० रोशन जैकब

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। खनन निदेशक डा रोशन जैकब के नेतृत्व व निर्देशन में पिछले दिनों निदेशालय के जाँच दलोंद्वारा जनपद सोनभद्र में ईमारती पत्थर खनन पट्टा क्षेत्रों की जाँच करते हुए प्रस्तुत जांच आख्या के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश जिला अधिकारी सोनभद्र को दिये गये हैं। निर्देश दिए गए हैं कि 4 पट्टाधारक जिनके द्वारा स्वीकृत क्षेत्र के बाहर अवैध खनन किया गया है, उनसे उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली – 2021 के अन्तर्गत शास्ति तथा खनिमुख मूल्य को अधिरोपित किया जाय। अधिरोपित धनराशि जमा होने तक खनन कार्य प्रतिबन्धित किया जाय। यह पट्टा धारक बाबा इण्डस्ट्रीज ,मेसर्स गणेशाय इन्टरप्राईजेज ,मेसर्स सॉई राम इन्टरप्राईजेज , व श्री सुरेश चन्द्र गिरी हैं। बताया गया कि निदेशालय स्तर पर परीक्षण में यह तथ्य स्पष्ट हुआ है कि मे० साईराम इण्टर प्राइजेज के पक्ष में स्वीकृत खनन पट्टे की वार्षिक मात्रा 10000 घन मी० प्रति हेक्टेयर है, जो जनपद सोनभद्र में सामान्य रूप से उपलब्ध खनन योग्य मात्रा से अत्यधिक कम है।

जिसके फलस्वरूप जहाँ एक ओर शासन को राजस्व की क्षति हो रही है, वहीं दूसरी ओर उक्त क्षेत्र में वृहद स्तर पर अवैध खनन की सम्भावना है। जिला अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे समस्त पट्टा क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए उनके निरस्तीकरण की कार्यवाही तत्काल करायी जाय एवं क्षेत्र में उपलब्ध मात्रा का पुनः निर्धारण करते हुए विज्ञापन की कार्यवाही शीघ्र सम्पन्न करायी जाय। पट्टाधारक सुरेश चन्द्र गिरी के पक्ष में स्वीकृत खनन पट्टा क्षेत्र में खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा सुधारात्मक कार्य हेतु खनन कार्य प्रतिबन्धित होने के पश्चात भी पट्टाधारक द्वारा अवैध खनन किया गया है। इस पट्टे को तत्काल निरस्त कर क्षेत्र में उपलब्ध मात्रा का पुनः निर्धारण कराकर विज्ञापन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश खनन निदेशक ने दिये हैं। निर्देशित किया गया है कि जनपद सोनभद्र के समस्त खनन पट्टा क्षेत्रों की एक नियमित अन्तराल पर जाँच करायी जाय।

जॉच हेतु षजिला खनिज न्यास निधि के माध्यम से ड्रोन का उपयोग किया जाय। जॉच के उपरान्त यदि किसी भी पट्टाधारक द्वारा अपने स्वीकृत क्षेत्र के बाहर अवैध खनन की पुनरावृत्ति की जाती है, तब शास्ति अधिरोपित करने के साथ ही पट्टा निरस्तीकरण की कार्यवाही तत्काल की जाय । बताया गया कि यह तथ्य भी संज्ञान में आया है कि वर्ष 2017 से 2021 तक विभिन्न खनन क्षेत्रों में निर्गत एल०ओ०आई० का पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण पत्र अभी तक लम्बित है। उदाहरण स्वरूपरू मे० चैम्पियन ग्रुप आफ काम्पलेक्स वर्ष – 2018 एवं मे० महाकाल इण्टर प्राइजेज वर्ष 2021 से लम्बित है, जिसे लम्बित रखने में प्रस्तावक की संलिप्तता प्रतीत होती है। निर्देश दिए गए हैं कि इन दोनो पट्टा क्षेत्रों हेतु निर्गत सहमति पत्र को तत्काल निरस्त करते हुए, पुनः विज्ञापन की कार्यवाही की जाय |इसके अतिरिक्त अतिरिक्त जिन पट्टों में अभ्यर्पण प्रार्थना पत्र दिया गया है, ऐसे प्रार्थना पत्रोंपर जनपद स्तर से निर्णय न लेकर लम्बे अवधि से लम्बित रखा गया है, जिसके फलस्वरूप मौके पर अवैध खनन की सम्भावना बनी हुई है जैसा कि सी०एस० इन्फ्रा कन्सट्रक्शन लि0 खण्ड संख्या–3 खसरा सं0 7536ग मि० एवं नीलकण्ठ माइनिंग खण्ड संख्या–9, खसरा सं० 5593 क ग्राम– बिल्ली मारकुण्डी तहसील ओबरा । निर्देश दिए गए हैंकि ऐसे प्रार्थना पत्रोंका तत्काल निस्तारण करते हुए अतिशीघ्र खनन क्षेत्रों को पुनः विज्ञप्ति करायी जाय।

विदेशों में भी हो रही प्रदेश के आम की चर्चा

नई प्रजातियों का समावेश तथा नये शोध कार्यो को अपनया जाये, किसानों के हित में शीघ्र ही बनाया जायेगा सुगम निर्यात मॉडल

दिनेश प्रताप सिंह

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। आज उत्तर प्रदेश के आम की चर्चा देश के साथ–साथ विदेशों में हो रही हैं। आम उत्पादक अपना उत्पादन और बढ़ाये जिससे विदेशों में अधिक से अधिक आम निर्यात किया जा सकेगा तथा आम उत्पादको की आय में भी वृद्धि होगी। उद्यान विभाग द्वारा आम उत्पादको को सभी प्रकार की सुविधाये उपलब्ध करायी जायेगी। ये बातें प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने अवध शिल्प ग्राम में 14 जुलाई से चल रहें तीन दिवसीय राज्य स्तरीय आम महोत्सव के समापन अवसर पर कही। उद्यान मंत्री ने कहा कि इस आम महोत्सव की गूंज दुबई, बहरीन से लेकर मास्को तक सुनाई दे रही हैं तथा प्रदेश के आम उत्पादको का सम्मान विदेशों में हो रहा हैं। उन्होंने आम उत्पादकों से कहा कि आपके आमों को दुनिया के कोने–कोने तक पहुंचाया जायेगा।

आम महोत्सव के सफल आयोजन पर सभी को बधाई देते हुये उद्यान मंत्री ने कहा कि आप सबके सहयोग से ही यह महोत्सव सफल हो पाया हैं। उद्यान मंत्री ने आम उत्पादकों के बाजार को देखते हुए नई प्रजातियों का समावेश करने तथा नये शोध कार्यो को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा हैं कि आम की भॉति ही अन्य फसलों के निर्यात हेतु वैश्विक बाजार में अवसर तलाश किये जाये, जिससे किसानों को अच्छा बाजार मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने हाल ही में किये विदेश दौरों का अनुभव साझा करते हुए बताया गया कि विदेशों में भारतीय आम की मांग तेजी से बढ़ी है, जिसका लाभ प्रदेश के किसानों को दिलाने के क्रम में आश्वस्त करते हुए कहा कि किसानों के हित में एक ऐसा सुगम निर्यात मॉडल शीघ्र ही बनाया जायेगा, जिससे किसान अपने उत्पाद का निर्यात स्वयं कर सकेंगे। उन्होंने आम महोत्सव में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

आम महोत्सव के समापन दिवस में उद्यान मंत्री ने आम के विभिन्न प्रजातियों की 07 श्रेणियों में एवं 47 वर्गों की प्रतियोगिता में 51 विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के कुल 123 पुरस्कार तथा आम आधारित संरक्षित उत्पादों की प्रतियोगिता के 11 वर्गों के 25 विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के कुल 36 पुरस्कार तथा आम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श के विजेता श्री नमित कुमार सिंह, उन्नाव, को अरूणिका प्रजाति के प्रदर्श प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श का पुरस्कार तथा आम की विभिन्न किस्मों में चार पुरस्कार प्रदान किये।

महोत्सव में सर्वाधिक 20 पुरस्कार इकबाल अहमद, मलिहाबाद, लखनऊ तथा एस0सी0 शुक्ला, गोमतीनगर, लखनऊ को 13 पुरस्कार प्राप्त हुये। आम महोत्सव में सबसे अधिक प्रजातियों एवं प्रदर्शो को प्रदर्शित करने के लिए एस0सी0 शुक्ला, गोमतीनगर, लखनऊ, मे0

किसान मैंगों सोसायटी, मलिहाबाद, लखनऊ, मे0 मैंगों फार्मर, मलिहाबाद, लखनऊ को भी सम्मानित किया गया |निदेशक, उद्यान डॉ0 आर0 के0 तोमर ने किसानों से आह्वान किया कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली समस्त सुविधाओं का लाभ उठाते हुए अपने उत्पाद की स्वयं ही प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग का प्रयास प्रारम्भ करें, जिससे किसानों को उनके उत्पाद का पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके।

आम महोत्सव 2023 के अन्तिम सत्र दिवस में किसानों, उद्यमियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, छात्रों के समक्ष खाद्य प्रसंस्करण के महत्व एवं रोजगार सृजन में योगदान विषय पर एक दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का आयोजन निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, डा0 आर0के0 तोमर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में डा0 वी0पी0 राम संयुक्त निदेशक, खाद्य प्रसंस्करण द्वारा प्रसंस्कृत उत्पादों की उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण नीति 2023 पर व्याख्यान अनिल कुमार विमल, खाद्य प्रसंस्करण अधिकारी, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, निदेशालय द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होनें अवगत कराया कि प्रदेश में उपलब्ध फल, शाकभाजी, दुग्धा, बेकरी, खाद्य दलहन, तिलहन, कोल्ड–चौन आधारित विभिन्न प्रकार के खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों के स्थापना के असीमित अवसर है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, लखनऊ के द्वारा एफ.एस.एस.ए.आई. अधिनियम, लाइसेंसिंग प्रक्रिया और खाद्य सुरक्षा में इसके योगदान के सम्बन्ध में जानकारी साझा की गई। डा0 एम0 सी0 तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक (से0नि0), द्वारा डिहाइड्रेसन एवं परम्परागत विधि से आम सुखाने की विधाओं पर व्याख्यान दिया गया। आम उत्पादों को तैयार किया जाना एवं उनकी संरक्षण विधाओं पर व्याख्यान हरीश कुमार, चीफ इन्सट्रक्टर, राजकीय खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ द्वारा एवं आम के मूल सम्वर्धन के लिए उपयोगी प्रसंस्करण तकनीकियों की जानकारी डा0 आशीष कुमार जाटव, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा दिया गया। समापन अवसर पर विशेष सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बाल कृष्ण त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मिशन चंद्रयान -3 सफलता की उम्मीद ?

प्रभुनाथ शुक्ल

दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सफल प्रक्षेपण की बधाई दिया है। यूरोपीयन स्पेस एजेंसी, इंग्लैंड और फ्रांस ने भी सफल प्रक्षेपण की भारतीय वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई है। भारत का धुर विरोधी पाकिस्तान भी चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय स्पेश संस्थान इसरो को शुभकामनाएं दी है। यह अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती तागत का परिणाम है।

अंतरिक्ष विज्ञान में भारत एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। अंतरिक्ष की दुनिया में सबसे कम खर्च में हमारे वैज्ञानिकों ने बुलंदी का झंडा गाड़ा है। हम चाँद को जीतने निकल पड़े हैं। कभी हम साइकिल पर मिसाइल रखकर लांचिंग पैड तक जाते थे, लेकिन आज हमारे पास अत्याधुनिक तकनीकी उपलब्ध है। जिसका लोहा अमेरिका और दुनिया के तकनीकी एवं साधन संपन्न देश मानते हैं। इसरो ने 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान -3 का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर दिया। यान पृथ्वी की कक्षा में स्थापित भी हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रक्षेपण की सफलता पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरिक्ष में चंद्रयान-3 एक नए चैप्टर की शुरूआत है। अंतरिक्ष में बढ़ते कदम की वजह से चन्द्रमा के साथ-साथ अन्य तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस मिशन का उपयोग हम विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे। जिसकी वजह कृषि एवं दूसरे क्षेत्र में बड़ा फायदा मिलेगा। हमारे सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम की वजह से मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। भीषण चक्रवातीय तूफानों की त्वरित सूचना समय पर उपलब्ध होने से लोगों को आपदा से बचा लिया जा रहा है। जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सका है।

चंद्रमा कभी हमारे लिए किस्से कहानियों में होता था। दादी और नानी कि कहानियों में उसके बारे में जानकारी मिलती थी। लेकिन आज वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास की वजह से हम चांद को जीतने में लगे हैं। चंद्रलोक के बारे में वैज्ञानिक जमीनी पड़ताल कर रहे हैं। चंद्रलोक की बहुत सारी जानकारी हमारे पास उपलब्ध है। दुनिया के लिए चांद अब रहस्य नहीं है। अब वहां मानव जीवन बसाने के लिए भी रिसर्च किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक शोध से यह साबित हो गया है कि चांद पर जीवन बसाना आसान है।

सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो मिशन चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी में जुटा है। हमारा अभियान अगर असफल हो गया तो भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। जिसकी पहचान चंद्रमा पर सफल लैंडिंग करने वाले देश के रूप में होगी। निश्चित रूप से हमारे वैज्ञानिकों को इसमें सफलता मिलेगी। यह चंद्रयान -2 मिशन को आगे

बढ़ाने की कोशिश है। क्योंकि यह अभियान वैज्ञानिकों के अथक प्रयास के बाद भी कक्षा में स्थापित होने के पहले असफल हो गया था। लिहाजा उस अभियान से सबक लेते हुए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सारी कमियों को दूर कर लिया है। उम्मीद है कि देश का यह अभियान सफल होगा और भारत का नाम अंतरिक्ष युग में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। चंद्रमा पर सफल और सुरक्षित लैंडिंग करने वाले अब तक सिर्फ तीन देश हैं जिसमें अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत भी इस बिरादरी में शामिल हो जाएगा। देश के लिए यह गर्व और गौरव का विषय होगा।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के अनुसार यह मिशन पूरी तरह चंद्रयान- 2 की तरह ही होगा। अभियान पर करीब 615 करोड़ का खर्च आया है। यह 50 दिन बाद लैंड करेगा। इस यान में भी एक आर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। यह चंद्रयान -2 के मुकाबले इसका लैंडर 250 किलोग्राम अधिक वजनी होगा और 40 गुना अधिक स्थान का घेराव करेगा। यान की गति प्रतिघंटा 37 हजार किलोमीटर वैज्ञानिकों ने उस तकनीकी गड़बड़ी को दूर कर लिया है जिसकी वजह से चंद्रयान-2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद भी फेल हो गया था। इस बार अंतरिक्ष संगठन की पूरी कोशिश है कि यह पूरी तरह सफल हो। 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से इस मिशन का आगाज किया जाएगा। चंद्रयान-3 को 01 अगस्त तक यह चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। जबकि 23 अगस्त तक सब ठीक रहा तो चंद्रतल पर इसे सुरक्षित स्थापित किया जाएगा। इस मिशन का यह सबसे चुनौतीपूर्ण मसला है। चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चुनौती है। चंद्रयान-2 मिशन पर 978 करोड़ रुपए का खर्च आया था। 50 दिन से कम समय में 30844 लाख किलोमीटर से अधिक दूरी तय की थीं। लेकिन अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के भरपूर प्रयास के बावजूद भी मिशन फेल हो गया था। अभियान के अंतिम क्षणों में विक्रम लैंडर में दिक्कत होने से झटका लगा था। जबकि चंद्रतल की दूरी बेहद करीब थीं। चंद्रयान-3 की अगर सफल और सुरक्षित लैंडिंग हो जाती है तो भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। चंद्रमा की कक्षा में सफल लैंडिंग के पूर्व रूस, अमेरिका भी कई बार विफल हो चुका था। लेकिन चीन अकेला ऐसा देश था जिसने इस मिशन को पहली बार में ही सफलता हासिल कर लिया था।

भारत चार साल बाद पुनः अधूरे मिशन को कामयाब करने में जुटा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लाएगी। यह अभियान अंतरिक्ष के युग में एक बड़ी कामयाबी साबित होगा। इसरो की तरफ से चंद्रयान - 3 के प्रक्षेपण की सूचना के बाद से दुनिया की निगाहें भारत पर टिकी हैं। अमेरिका, जैसे देश के अलावा चीन इस पर विशेष रूप से नजर गड़ाए। भारत की सफलता अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में जहां इन देशों के लिए चुनौती साबित होगी। वही अभी तक अंतरिक्ष में अपना आधिपत्य समझने वाले हमारी ताकत को समझने लगेंगे। इससे बड़ी उपलब्धि हमारे लिए और क्या हो सकती है।

दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सफल प्रक्षेपण की बधाई दिया है। यूरोपीयन स्पेस एजेंसी, इंग्लैंड और फ्रांस ने भी सफल प्रक्षेपण की भारतीय वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई है। भारत का धुर विरोधी पाकिस्तान भी चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय स्पेश संस्थान इसरो को शुभकामनाएं दी है। यह अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती तागत का परिणाम है।

अभी हमारा चंद्रयान पृथ्वी की कक्षा में है। लेकिन उसकी सबसे बड़ी चुनौती चंद्रमा की सतह पर सफल स्थापित होने की है। क्योंकि हमारा मिशन चंद्रयान- 2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद विफल हो गया था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विफलताओं से हम हार जाएं। वैज्ञानिकों ने उन तकनीकी खामियों को दूर कर लिया है। उम्मीद की जा रही है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में देश के अंतरिक्ष वैज्ञानिक चंद्रयान -3 को सफलतापूर्वक चन्द्रमा पर स्थापित करने में कामयाब होंगे।

(वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक)

संपादकीय

ड्रेन नेटवर्क संकटग्रस्त

राजधानी दिल्ली में यमुना नदी अपने रौद्र रूप में है। नदी के जलस्तर ने अब तक के सारे रिकॉर्ड. तोड़. दिए हैं। पिछले कुछ वर्षों से दौरान संज्ञान लिया जा रहा है कि भारत के महानगरों की ड्रेनेज व्यवस्था अनियमित जलवायु परिवर्तन के सामने बेबस और लाचार है। यमुना में आई इस बाढ़ से समझा जा सकता है कि यहां की ड्रेनेज व्यवस्था संकटग्रस्त है। अभी दिल्ली के लोग बाढ़ के कारण जिस तरह की कठिनाइों का सामना कर रहे हैं, वह मानव-निर्मित है। सरकारी प्रबंधन की विफलता है। यमुना के किनारे अवैध निर्माण भी बड़ा कारण है, जिसने प्राकृतिक जल निकासी के मार्गों को अवरोद्धकर दिया है। मुंबई और चेन्नई की तुलना में दिल्ली में बरसात कम होती है, लेकिन हर वर्ष हल्की बरसात के बाद सड़कों पर जलजमाव हो जाता है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने स्वीकार किया है कि मानसून की बरसात से पहले नालों की सफाई ठीक से नहीं की जाती। यह भी कहा कि 2014 के बाद दिल्ली की आबादी 50 लाख बढ़रूगई है। इसका दबाव नागरिक सुविधाओं पर पड़ना लाजिमी है। बढ़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए सीवर लाइनों और जल निकासी के लिए योजनाएं नहीं बनाई गई। इसलिए जल भराव की समस्या पैदा होती है। सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों को इस बाढ़ से सबक लेते हुए दिल्ली में ड्रेनेज व्यवस्था को ठीक करने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता है। दिल्ली का जल निकासी मास्टर प्लान 1976 में बना था। 2016 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आईआईटी, दिल्ली को इस महानगर की जल निकासी प्रणाली का अध्ययन करने के लिए कहा था। लेकिन यह अध्ययन हुआ या नहीं, अगर हुआ तो इसकी रिपोर्ट कहां है, इसकी जानकारी नहीं है। अनियमित और अंधाधुंध विकास ने नालों और जलाशयों को भर दिया है। ऐसे में पानी बहेगा कैसे। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगरों समेत देश के ज्यादातर शहर जल निकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। देश में चंड़ीगढ़ को सबसे नियोजित शहर बताया जाता है, लेकिन यहां भी जलसमाधि लिए हुए सड़कें दिखाई दीं। सवाल उठता है कि शहर की योजना बनाते समय अच्छी और आधुनिक जल निकासी की व्यवस्था पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता। महानगरों और शहरों में बढ़ती आबादी के अनुरूप जल निकासी की व्यवस्था को फिर से ड़िजायन करने कर जरूरत है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवसः आशा और उम्मीद का प्रतीक होता है न्याय

रमेश सर्राफ धमोरा

न्याय शब्द एक आशा और उम्मीद का प्रतीक है। जब किसी को लगता है कि उसकी बात अच्छी तरह सुनी जाएगी तथा उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलेगा वह न्याय है। न्याय शब्द एक नई रोशनी लेकर आता है। व्यक्ति के मन में एक उम्मीद जगाता है कि उनकी बात को पूरी तरह सुनकर ही निर्णय किया जाएगा। न्याय एक बहुत ही सम्मानित वह संतुष्टि प्रदान करने वाला शब्द है। आज भी जब दो व्यक्तियों के बीच में झगड़ा होता है तो दोनों एक दूसरे से कहते हैं कोर्ट में आ जाना फैसला हो जाएगा। यह लोगों की न्याय के प्रति आस्था का एक जीता जागता उदाहरण है।

न्याय पाना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार होता है। कोई भी सरकार या व्यवस्था तभी सफल मानी जाती है। जिसमें हर व्यक्ति को निष्पक्ष रुप से न्याय मिल सकें। हमारे देश में तो सदियों से न्यायिक प्रणाली बहुत मजबूत रही है। राजा महाराजाओं के जमाने में भी लोगों के साथ न्याय किया जाता था। जिनके उदाहरण हम आज भी देते हैं। भारत के महान सम्राट राजा विक्रमादित्य की न्याय प्रणाली की आज भी हर जगह चर्चा और सराहना होती है।

हमारा देश जब स्वतंत्र हुआ तो संविधान के निमार्ताओं ने न्यायपालिका को कार्यपालिका और विधायिका से अलग रखा। न्याय के लिए सशक्त कानून बनाए गए थे। देश के लोगों को सही व निष्पक्ष न्याय मिल सके इसके लिए लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की स्थापना की गई थी। जो आज भी न्यायिक प्रक्रिया में संलग्न है। हमारे देश में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का उदाहरण श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पद के अयोग्य ठहरा दिया जाना था। इससे अधिक न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मजबूती कहां देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के शासन के तहत अदालतों को न्याय एवं अन्याय में फर्क करने का अधिकार हासिल हैं। सही क्या है तथा गलत क्या है यह अदालत विधान की पुस्तकों के आधार पर तय करती हैं। आज लम्बित मामलों की संख्या को देखकर कहा जा सकता है इंसाफ चाहने वाले पीड़ित लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। हमारे देश की विधायी व्यवस्था में न्याय की शीर्षस्थ संस्था न्यायालय हैं।

विश्व न्याय दिवस अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय की उभरती प्रणाली को मान्यता देने के प्रयास के तहत 17 जुलाई को दुनिया भर में मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। हर साल दुनिया भर के लोग इस दिन का उपयोग अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए करते हैं। यह दुनिया में आधुनिक न्यायालय प्रणालियों की स्थापना का भी स्मरण कराता है। यह दिन मौलिक मानवाधिकारों की वकालत और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय के लिए विश्व दिवस का उद्देश्य आईसीसी के प्रयासों की सराहना करना और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के पीड़ितों के लिए न्याय को बढ़ावा देने के लिए सभी को एकजुट करना है। 17 जुलाई 1998 को 120 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रोम संविधि नामक एक संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए एक साथ आए थे। रोम संविधि पर हस्ताक्षर करने का दिन मनाने के लिए विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस तब से हर साल मनाया जाता रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय या आईसीसी विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस में शामिल एक महत्वपूर्ण प्राधिकरण है। यह न्यायालय सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों वाले व्यक्तियों का विश्लेषण करता है और उन पर आरोप लगाता है। इनमें नस्लीय हत्याएं, युद्ध के दौरान अपराध, मानवता के अपराध और आक्रामकता के अपराध शामिल हो सकते हैं। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों का विकल्प नहीं हो सकता है लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच नहीं कर सकता है।

हमें बहुत से लोगों से अक्सर यह सवाल सुनने को मिलता है कि न्याय कहां मिलता हैं। इस प्रश्न का होना भी यह बताता है कि आज भी आम आदमी को आसानी से न्याय नहीं मिल पा रहा हैं। न्याय के बारे में एक पुरानी अंग्रेजी कहावत है कि न्याय में देरी करना न्याय को नकारना है और न्याय में जल्दबाजी करना न्याय को दफनाना है। यदि इस कहावत को हम भारतीय न्याय व्यवस्था के परिपेक्ष्य में देखे तो पाएगे कि इसका पहला भाग पूर्णतः सत्य प्रतीत होता हैं। सीमित संख्या में हमारे जज और मजिस्ट्रेट मुकदमों के बोझ तले दबे प्रतीत होते हैं। एक मामूली विवाद कई सालों तक चलता रहता है तथा पीड़ित को दशकों तक न्याय का इतजार करना पड़ता हैं। यही वजह है कि लोगों में न्याय के प्रति गहरे असंतोष के भाव हैं। वे अपने साथ हुए अन्याय के विरुद्ध इसलिए कोर्ट नहीं जाते क्योंकि उनके यह भरोसा नहीं रहा कि न्याय उसके लिए मददगार होगा।

आज भी न्यायपालिका परेशान लोगों के लिए सांत्वना का माध्यम है। निराश लोगों के लिए आशा की किरण है। गलत काम करने वाले लोगों के लिए भय का कारण है तथा कानून का पालन करने वाले लोगों को राहत देती है। यह बुद्धिमान और संवेदनशील लोगों के लिए एक घर के समान है। एक ऐसी शरण स्थली है जहां गरीब और अमीर दोनों को ही आसानी से न्याय मिलता है। न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठने वाले लोगों के लिए यह एक सम्मान और गर्व का स्थान होता है। परन्तु आज के समय में गरीब लोगों की न्यायालय में पहुंच बहुत कम हो गयी है। आज स्थिति यह हो चुकी है कि धूर्त लोग न्यायालयों का दुरूपयोग समाज के सम्मानित लोगों के विरुद्ध हथियार के रूप में करने लगे हैं। वे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सच्चा या झूठा मुकदमा दायर कर देते हैं और मुकदमा झेलने वाला व्यक्ति सारा जीवन स्वंय को निर्दोष सिद्ध करने में लगा देता है।

संविधान ने न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी अदालतों पर डाल दी है। वे ही न्याय के एकमात्र एवं सर्वोपरी स्त्रोत माने जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में उच्च न्यायालय एक मुकदमें का निर्णय सुनाने में लगभग चार वर्ष से अधिक का समय लेते हैं। उच्च न्यायालय से निम्न स्तरीय अदालतों का हाल तो इससे कही बुरा हैं। जिला कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक चलने वाले एक मुकदमें का अंतिम फैसला 7 से 10 साल में आता हैं। लोगों का मानना है कि भारत की न्याय प्रणाली में अधिक समय खर्च होने का मूल कारण मामलों की अधिकता हैं। लेकिन असल समस्या है मामलों का शीघ्र निपटान न हो पाना। केवल यह कहकर कि हमारे न्यायिक तन्त्र में खामियां बताकर उसे कोसते रहना उचित नहीं हैं।

कटाक्ष/ कबीरदास

अब रफाल-2...!

फ्रांस वालों ने क्या हद ही नहीं कर दी। बताइए! वही फ्रांस और वही पेरिस, पर शहर के एक सिरे पर तो मोदी जी के पांव रखने को लाल कालीन बिछवाए जा रहे थे और दूसरे छोर पर मणिपुर के बहाने यूरोपीय संसद में, डेमोक्रेसी के पप्पा जी को डेमोक्रेसी के ही पाठ पढ़ाए जा रहे थे। फिर भी, विश्व गुरू की शान में गुस्ताखी तो हो ही गई। घर बुलाकर ऐसे भी कोई बेइज्जत करता है, भला! और वह भी तब जबकि अगर मोदी जी के राज में दो महीने से मणिपुर जल रहा है, तो इसी बीच पांच-छह दिन तो पेरिस भी जलता ही रहा था, प्रदर्शनों से। मैक्रॉन की कमीजङ्क मोदी जी के कुतक्कसे ज्यादा सफेद थोड़े ही है।

फिर बात अकेले फ्रांस की थोड़े ही है। पिछले ही महीने अमेरिका गए थे, तो व्हाइट हाउस में बुलाकर भाई लोगों ने, आठ-नौ साल में पहली बार मोदी जी से धर्मनिरपेक्षता वगैरह पर सीधा सवाल करवा दिया था। और अब फ्रांसीसी भी! ऐसे ही चला तो पता नहीं अगले चुनाव से पहले ही मोदी जी की शान को न जाने किस-किस की गुस्ताखी देखनी पड़े। बाहर वालों को तो कुछ ले-देकर पटा लें तो बात दूसरी है, वर्ना न तो ईडी-सीबीआई वगैरह भेजकर उनका मुंह बंद कराया जा सकता है, और न राहुल गांधी की तरह मानहानि के लिए संसद-वंसद से बंदों का पत्ता ही कटवाया जा सकता है। उस पर फ्रांसीसी तो अमेरिका वालों की तरह एक ही सवाल उछलवाने पर भी नहीं रुके। कहां तो मोदी जी रफाल सौदे के स्वीक्वल का महूर्त करने जा रहे थे और कहां फ्रांस की एक अदालत ने उनकी सरकार को चिट्ठी भेजकर, रफाल पार्ट-1 में घोटाले के आरोपों की जांच में, सहयोग की मांग कर दी। कहते हैं कि जैसे ताली एक हाथ से नहीं बजती है, वैसे ही सौदे में घोटाले में दो पक्ष जरूर लगते हैं। आप भी अपनी तरफ से घोटाले से पर्दा उठाओ! दो हाथ की बात आ गई, सो यह कहकर पीछा भी नहीं छुडक्ष सकते कि रफाल सौदा, हमारा निजी मामला है!

तो अब रफाल-2 माने, घोटाला-2 का शोर! चलिए, संसद के मानसून सत्र में मणिपुर पर चर्चा न होने पाए, इसका इंतजाम तो हो गया! वक्त गलत थोड़े ही रहता है।

सरहद पार सीमा की प्रेमकथा में उलझी जांच एजेंसियां

पाकिस्तानी महिला सीमा गुलाम हैदर और दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कस्बे के निवासी सचिन मीणा की प्रेम कहानी के चर्चे इस वक्त प्रत्येक इंसान की जुबान पर है। मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियों में सिर्फ यही सब कुछ चल रहा है। रबूपुरा में लोगों का तांता लगा हुआ, भीड़ इस कदर बढ़ रही है जिसे नियंत्रित करने को पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। सीमा के क्रियाकलापों पर नजर रखने के लिए जांच एजेंसियों को ऊपरी आदेश मिले हुए, इसलिए सादा वर्दी में कई दर्जन डेरा डाले हुए हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार से लेकर स्थानीय शासन-प्रशासन की भी फिल्डिंग लगी हुई। दरअसल, ये प्रेम कहानी अब दूसरा मोड़ ले चुकी है। प्रशासन को इस कहानी के पीछे कोई साजिश दिखती है। तभी, सीमा से दो मर्तबा विभिन्न जांच एजेंसियों ने अभी तक पूछताछ की है। हालांकि अभी ऐसा कुछ हाथ लगा नहीं, जिससे साबित हो कि सीमा वास्तव में पाकिस्तान जासूस है। साधारण इंसान की नजर से देखें तो पाकिस्तान का अगर कोई बेजुबान जानवर भी इस ओर आ जाए, तो उसे जितना प्यार करेंगे, उतना ही शक करेंगे। सीमा के साथ भी कमोबेश कुछ ऐसा ही हो रहा है।

बहरहाल, सीमा अपने प्रेमी सचिन के साथ ऑफिशियल शादी कर चुकी है नेपाल के किसी मंदिर में। अब वो उसके साथ यहीं भारत में ताउम्र जिंदगी बिताना चाहती है। लेकिन इसके साथ वह कानूनी पेचीदगी में भी फंसती जा रही है। फंसना लाजमी है क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान से भारत आने का जो रास्ता इख्तियार किया है, वह घोर गैरकानूनी है। उसने अवैध रूप से एक नहीं, बल्कि तीन-तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार किया। कोई अन्य देश होता, जहां से सीमा आई होती, तो इतना बखेड़ा खड़ा नहीं होता। लेकिन बात पाकिस्तान की है। वहां के परिंदे से भी दोनों ओर नफरत की जाती है, शक की नजरों से देखा

जाता है। सीमा हैदर के इस तरह हिंदुस्तान पहुंचने से कई सवाल उठ रहे हैं। सवाल उठने भी चाहिए, दोनों मुल्कों के रिश्ते इस वक्त बेहद तनावपूर्ण स्थिति में हैं। सालों बीत गए बातचीत बंद हुए। राजनीति, व्यापारिक, आपसी संबंध, एक-दूसरे के देशों में आने-जाने में तकरीबन प्रतिबंध ही है। ऐसे में अगर कोई उन बंदिशों को तोड़कर पहुंचे तो शक होना लाजमी है।

हिंदुस्तान आकर सीमा हैदर हर वो कदम उठा रही है जिससे यहां के लोग भावनात्मक तौर पर उसके प्रति प्यार और सहानुभूति दिखाएं। उसने सबसे पहले हिंदू धर्म अपनाया, जिसके लिए उस पर न किसी ने प्रेशर डाला गया और न किसी ने कहा। अपने गले में राधे-राधे का पट्टा पहनना, हनुमान चालीसा पढ़ना, यहां के तौर-तरीकों में खुद को तेजी से रमाना सबकुछ उसने आरंभ कर दिया। पाकिस्तान के खिलाफ वह मुखर होकर बोल रही है। बताती है कि वहां कैसे हिंदुओं के साथ अत्याचार होता है। हालांकि ये सच्चाई तो जगजाहिर है। उनके ये बयान सुनकर पाकिस्तानी लोग काफी गुस्से में हैं। गुस्से का असर दिखना भी शुरू हो गया है। वहां के एक डाकू ने फरमान जारी कर दिया है कि सीमा तुरंत पाकिस्तान आएं, वरना उसकी सजा वो हिंदुस्तान को देंगे। दो दिनों से वह लगातार सोशल मीडिया के जरिए हिंदुस्तान को धमका रहा है। निश्चित रूप से सीमा के यहां पहुंचने से दोनों देशों के दरम्यान रिश्ते और खराब होने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि अभी तक अधिकारिक तौर पर दोनों देशों की सरकारों ने कोई बयान जारी नहीं किया है।

फिलहाल बड़ा सवाल अब ये उठने लगा है कि खुदा-ना-खास्ता, अगर सीमा हैदर पाकिस्तान की जासूस निकली तो इसके पीछे भारतीय खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही मानी जाएगी। खुफिया एजेंसियों को छोड़ो, स्थानीय पुलिस और राज्य सरकार को भी भनक नहीं हुई। भेद करीब पचास दिनों बाद तब खुला जब सीमा-सचिन कोर्ट मैरिज करने दादरी स्थिति सूरजपुर कोर्ट पहुंचे। कोर्ट में वकील ने जब दस्तावेज मांगे तो वकील को सीमा के पाकिस्तान होने का पता चला, उसके बाद वो सन्न रह गए। उन्होंने तुरंत स्थानीय थाने में इस बात की सूचना दी, सूचना पर पुलिस आई दोनों को थाने ले गई। करीब चौबीस घंटे दोनों को हिरासत में रखा, पूछताछ करके छोड़ दिया। फिलहाल मामला वहीं शांत हो गया था। लेकिन जब ये अनोखी प्रेम कहानी मीडिया की सुर्खियां बनीं तो मानो हंगामा ही कट गया। सभी चैनलों पर बीते चार-पांच दिनों से उन्हीं की प्रेम कहानी के किस्से सुनाए और बताए जा रहे हैं। सीमा की अद्भुत प्रेम कहानी अब सूबे के मुख्यमंत्री कार्यालय तक जा पहुंची है। उसके बाद सुरक्षा एजेंसियां, लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग फिर हरकत में आ गई। अब दोबारा से कड़ाई से जांच पड़ताल हो रही है। लेकिन अभी तक निकला कुछ भी नहीं। सीमा पढ़ी-लिखी तो कोई खास नहीं है। पर, उसके बात करने के लहजे, हिंदी-सिंधी-अंग्रेजी और उर्दू बोलना कान खड़े करते हैं। मात्र पांचवीं जमात पढ़ी ये औरत अच्छे से कम्पयूटर चलाती है, इंटरनेट का ज्ञान रखती है। जबकि, कराची के जिस गांव में रहती थी, वहां दिन में बमुश्किल पांच-छह घंटे की बिजली आती है। इसके अलावा शक ये भी होता है कि जिसकी गोदी में चार-चार अबोध बच्चे हों, उसे भला पबजी, इंटरनेट व सोशल मीडिया के लिए समय कहां से मिलेगा। लेकिन सीमा इन सबसे में निपुण है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश की पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों, लोकल इंटेलिजेंस और पुलिसिंग बीट के लिए सीमा की कहानी अब किसी भयंकर सिरदर्द से कम नहीं।

- डॉ. रमेश ठाकुर
(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सेवानिवृत्त दलित बुजुर्ग एवं उनके परिवार संग करीब ढाई दर्जन दबंगो ने की मारपीट, किया लूटपाट

मकान पर कब्जे की नियत से किया उपद्रव, स्थानीय थाने पर दबंगो के रसूख के आगे सुनवाई न होने पर बुजुर्ग ने उच्च अधिकारियो से की शिकायत

पुलिस महानिदेशक के आदेश पर आरोपियों एवं उनके साथियो के खिलाफ पांच माह बाद गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में बीते फरवरी माह में अपने घर की साफ सफाई कर रहे दलित परिवार पर के घर पर पहुंचे असंख्य संख्या में पहुंचे दबंगो ने मकान पर कब्जा करने की नियत से अपना मकान बताते हुए दलित परिवार पर टूट पड़े और बेरहमी से पिटाई करते हुए जातिसूचक गालियां धमकी संग मोबाईल फोन आई फोन व हजारो रूपये लूट लिए जिसकी सूचना पीड़ित परिवार ने कंट्रोल नंबर पर दे स्थानीय चौकी एवं थाने से मदद मांगी लेकिन पीड़ित परिवार को ही थाने पर बैठा दिया गया जिसकी शिकायत पीड़ित बुजुर्ग ने पुलिस महानिदेशक से की। पुलिस महानिदेशक के आदेश पर पांच माह बाद आरोपियों एवं उनके साथियो के खिलाफ गंभीर धाराओं एवं एससी एसटी में मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की कार्यवाई में जुटी है विशाल खंड गोमती नगर निवासी राजकीय विभाग से सेवानिवृत्त दलित 65 वर्षीय बुजुर्ग महेश प्रसाद के मुताबिक उनका एक मकान 569/77क बरिगंवा थाना कृष्णा नगर में है। बीते 21 फरवरी की सुबह अपनी पत्नी तथा पुत्रों व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अपने मकान में साफ–सफाई का कार्य करवा रहा था कि तभी अचानक स्नेहा श्रीवास्तव पत्नी सौरभ श्रीवास्तव , सौरभ श्रीवास्तव निवासी न्यू सरदारी खेड़ा, आलमबाग व जय प्रकाश, मनीष उपाध्याय अपने 15–20 साथियों के साथ तीन सफेद रंग की चार पहिया वाहन से आ गये और मकान में घुस कर हम लोगों को जाति सूचक गालियां देते हुए कहा की मेरे मकान से निकल जाओ नहीं तो जान से मार देंगे और आग लगाकर सभी को जला देंगे। जिसपर पीड़ित बुजुर्ग व उसका परिवार ने उपरोक्त लोगों का विरोध करने लगा तो उन्हीं में से कुछ लोग मुंह पर अंगौछा बांधकर छत पर सीढी लगाकर छत से घर में कूदे और सभी लोग परिवार वालों को लात–घूसों से मारने लगे भीड़ ने उनके परिवार वालों को उन्हीं चार पहिया वाहन में ठूस–ठूस कर भर दिया जब पीड़ित के परिवार वाले घटना का वीडियो बनाने लगे तो उन लोगों ने घर वालों के छ. मोबाईल फोन एक एप्पल आई फोन छीन लिया तथा पर्स व घड़ी व पर्स में रखे 67 हजार रूपये भी लूट लिये तथा मारते–पीटते व जान से मारने की धमकी देते हुए

पहले चौकी फिर थाने ले गये। 112 नंबर डायल के बाद पुलिस मौके पर आयी लेकिन मूक दर्शन बनी रही दबंग अपनी रसूखियत के प्रभाव में पीड़ित एवं पीड़ित के परिवार वालो को ही थाने में बन्द करा दिया। पुलिस से मदद की न मिलने पर पीड़ित ने पुलिस महानिदेशक से मदद की गुहार लगाई जिसपर पुलिस महानिदेशक के आदेश पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ मारपीट उपद्रव लूटपाट व एससीएसटी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाई में जुटी है।

एटीएस ने आईएसआई एजेंट को गिरफ्तार कर भेजा जेल , अन्य साथियो के तलाश में जुटी टीम

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। आतंकी संगठन पर काम कर रही एटीएस टीम ने रविवार को पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे एक आईएसआई एजेंट को गिरफ्तार कर भारत में अन्य सक्रीय एजेंटो की जानकारी ले जेल भेज दिया है वहीं एजेंट से प्राप्त जानकारी अनुसार अन्य एजेंटो की तलाश के लिए टीम रवाना कर दी गई हैं। एटीएस प्रभारी ने बताया कि विभिन्न गोपनीय स्रोतों से सूचना प्राप्त हुआ कि पाकिस्तानी खुफिया एजेन्सी आईएसआई के एजेंट द्वारा भारतीय नागरिकों को देश के विरूद्ध बरगला कर और अपने प्रलोभन में फंसाकर भारतीय सैन्य एवं सामरिक महत्व के स्थानों की गोपनीय व प्रतिषेधित सूचनाएं प्राप्त कर रहे हैं स इस सूचना को एटीएस की टीमों द्वारा लगातार विकसित कर पुष्ट किया तो यह तथ्य सामने आया कि जनपद गोंडा थाना तरबगंज दीनपुरवा निवासी मो रईस पुत्र मो हुसैन, निवासी आईएसआई का एजेंट है और महत्वपूर्ण गोपनीय सूचनाओं को आईएसआई के हैंडलर्स को उपलब्ध करवा रहा है, जिसके बदले में इसे धन प्राप्त हुआ है स जिसे सुचना पर एजेंट को मुख्यालय पर बुलाकर पूछताछ किया गया तो रईस संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया । गहनता से हुई पूछताछ में रईस ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया स पूछताछ में बताया कि कुछ वर्ष पहले वह मुम्बई में प्राइवेट काम करता था जहाँ पर उसकी मुलाकात अरमान नाम के एक व्यक्ति से हुई स अरमान ने रईस को भारत में मुस्लिमों पर हो रहे जुल्म और बाबरी मस्जिद की शहादत

का जिक्र करते हुए बरगलाया और भारत के विरुद्ध जासूसी करने के लिए उकसाया था । अरमान ने ही रईस को बताया कि मैं तुम्हारा नम्बर पाकिस्तान के एक व्यक्ति को दे दूंगा, जो तुम्हें कॉल करेगा और अगर तुम उसके यकीन पर खरे उतरे व काम के आदमी साबित हुए, तो वह तुम्हें भारत के खिलाफ काम करके बदला लेने का मौका देगा और साथ ही साथ मोटा पैसा और दुबई में नौकरी भी दिला देगा । जिसके बाद बीते वर्ष 2022 में रईस के पास विदेशी नम्बर से व्हाट्सएप कॉल की और अरमान का जिक्र करते हुए बात की सइसके बाद से रईस और हुसैन की आपस मे बातें होने लगी । हुसैन ने यह भी बताया कि वह पाकिस्तानी जासूस है और मुझे भी आपसे साथ काम करने के लिए प्रेरित किया स इस काम के बदले में हुसैन ने रईस को पैसे देने का वादा किया था । हुसैन ने रईस को कुछ महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों कि तस्वीरें और और उनसे संबन्धित संवेदनशील सूचनाएँ भेजने के लिए कहा जिसपर रईस ने अपने दोस्त सलमान व अन्य को भी आईएसआई के एजेंट्स के कहने पर अपने जासूसी के काम मे सम्मिलित किया स जासूसी के इस पूरे मामले और इससे मिलने वाले पैसे के बारे में समझाया और जासूसी करने के लिए तैयार कर कुछ सैन्य छावनियों और प्रतिष्ठानों के सम्बंध मे महत्वपूर्ण सूचनाएँ और तस्वीरें एकत्र कारवाई जिन्हे संपर्क मे रहने वाले पाकिस्तानी जासूसों को भेज दिया स जिसके एवज में पाकिस्तानी जासूसों द्वारा रईस को 15000 रुपए मिले थे स एटीएस ने गिरफ्त मेंआये पाकिस्तानी एजेंट के खिलाफ कार्यवाई कर जेल भेज मिली जानकारी अनुसार भारत में सक्रीय अन्य एजेंटो की गिरफ्तारी के लिए एक टीम मुंबई रवाना किया गया है

पावर हाउस के सामने जलभराव से दुकानदार परेशान

हरदोई। नगर की अधिकांश टूटी हुई सड़कों की वजह से बरसात में जलभराव हो गया है।लोगों का सड़कों पर पैदल चलना मुश्किल हो गया। काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। परंतु नागरिकों, राहगीरों और दुकानदारों को इन समस्याओं से निजात नहीं मिल पा रही है। घंटाघर से बासित नगर चौराहे तक जाने वाले मार्ग पर पावर हाउस के ठीक सामने सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं और इन गड्ढों में बरसात का पानी भर गया है । सड़क पर बिल्कुल तालाब जैसा नजारा हो गया है।राहगीरों को निकलने में जहां परेशानी हो रही है वहीं दुकानदारों को परेशानी सबसे ज्यादा हो रही है। उसका मुख्य कारण यह है कि उनकी दुकानों के सामने तालाब जैसा नजारा है । दुकानों पर ग्राहकों को चढ़ने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में क्षेत्रीय सभासद से दुकानदारों ने गड्ढों में रोड़ा डलवाने की मांग की लेकिन सभासद ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। दुकानदारों का मानना है कि अगर गड्ढों में रोड़ा डाल दिया जाए तो गड्ढे पटने के बाद न तो उनमें जलभराव हो पाएगा और न ही आने जाने वालों को कोई दिक्कत होगी। फिलहाल पावर हाउस के निकट के अधिकांश दुकानदार गड्ढों में जलभराव की समस्या से त्रस्त है और उनमें आक्रोश व्याप्त है। उनका यह आक्रोश कभी भी फूट सकता है।

ट्राली बैग में 21 वाइन की बोतलों संग तस्कर गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ चारबाग जीआरपी पुलिस टीम द्वारा रविवार को बिहार अंग्रेजी शराब की बोतले तस्करी के लिए ले जाते समय एक तस्कर को गिरफ्तार किया है द्य जिसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। चारबाग रेलवे स्टेशन जीआरपी

प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि रविवार को टीम द्वारा चेकिंग दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 5 से एक ट्राली बैग 21 अंग्रेजी शराब की बोतलों संग गिरफ्तार किया गया है । पुलिस के गिरफ्त में आये तस्कर ने कबूल किया कि बिहार में शराब बंदी के कारण वह बोतले बिहार ले जाकर ऊँचे दामों में विक्री कर मोटी कमाई करता है। अपना नाम पता हर्ष कुमार पुत्र मृत्युंजय सिंह निवासी ग्राम सिंहमा थाना मटियानी जनपद बेगूसराय राज्य बिहार बताया है। तस्कर के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

गंगा,रामगंगा का जल स्तर बढ़ने से कटरी के किसानों की धड़कने तेज

हरपालपुर/हरदोई। कटियारी क्षेत्र की गंगा एवं रामगंगा नदी में प्रमुख बांधों से लगातार पानी छोड़े जाने के बाद जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। जिससे क्षेत्र के किसानों के दिलों की धड़कने तेज हो गई हैं। रामगंगा नदी का पानी खेतों में घुसने लगा है। जिससे फसलें डूब रही है।प्रमुख बांधों से पानी छोड़े जाने के बाद गंगा रामगंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। पिछले वर्ष राम गंगा नदी की बाढ़ से कटरी छोछपुर बेहटा मुड़िया अरवल अदनिया चन्द्रमपुर दहेलिया मुर्बा शहाबुद्दीनपुर आलमपुर जगन्नाथ पुरवा पतारपुरवा झड़ापुरवा मलिकापुर धनियामऊ गोरिया मस्तापुर समेत कई दर्जन गांवो के किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें बर्बाद हो गई थी। किसानों को उनकी बर्बाद फसलों का मुआवजा भी नहीं मिल पाया था। लेकिन बाढ़ की कोई स्थाई परियोजना न होने से क्षेत्र के किसान परेशान हैं। बेहटा मुडिंया गांव में रामगंगा नदी का जल स्तर बढ़ने से नदी किनारे बसे राजेश रामपाल, विजयराम,राम लडैते, रामरतन, माया लाल, रामनरेश, सियाराम के मकान कटान की जद में हैं। वही जलस्तर बढ़ने से क्षेत्र के बेसहारा बेडीजोर परचौली टिकार बरान सुरजानपुर बारी समेत कई गांवो के किसानों की फसलें डूब गई है।जिससे किसानों की मेहनत के अरमानों पर पानी फिर रहा है।

25 साल बाद भी नहीं लागू हो सकी एक्शन टेकन कमेटी की रिपोर्ट कटियारी क्षेत्र मे बर्ष 1998 में आई भीषण बाढ़ से सांडी कन्नौज व फर्रुखाबाद की सीमा तक पानी भर गया था। बाढ़ से क्षेत्र की तमाम सड़कें सैकड़ों घर और हजारोंबीघा किसानोंकी फसल नष्ट हो गई थी। जिस पर सवायजपुर के तत्कालीन उप जिलाधिकारी विजय सिंह पाल के नेतृत्व में बाढ़ एक्शन टेकन कमेटी बनी थी। कमेटी ने शासन को भेजी रिपोर्ट में बाढ़ से निपटने के लिए चौसार गांव मेंबाढ़ शरणालय बनवाने, चार मोटर बोट स्ट्रीमर उपलब्ध कराने, 50 जीवन रक्षक जैकेट उपलब्ध कराने की मांग का प्रस्ताव भेजा था। कमेटी की रिपोर्ट हर वर्ष जिला बाढ़ योजना की विवरणिका में भी मुद्रित की जाती है। लेकिन 25 साल बाद भी रिपोर्ट की फाइल शासन स्तर पर धूल फांक रही है।उप जिला अधिकारी सवायजपुर डॉक्टर अरुणिमा श्रीवास्तव ने बताया कि बाढ़ चौकियों पर राजस्व कर्मियों की तैनाती के साथ उन्हें सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जेवर में वाट्सएप पर लिंक भेजकर एक लाख की ठगी

पीड़ित ने साइबर सेल में की शिकायत, पहले परिचित बताकर किया था फोन

नोएडा। जेवर के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक के व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर आरोपी ने उसके खाते से करीब 1 लाख रुपये उड़ा दिए। मामले की जानकारी होने पर पीड़ित ने कोतवाली में स्थित साइबर सेल में मामले की शिकायत की है। उसने पुलिस से आरोपी को पकड़कर रुपये वापस दिलाने की मांग की है। पीड़ित राजेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि शनिवार को एक युवक की कॉल आई। जिसमें कॉल करने वाले ने उनको अपना परिचित बताते हुए उनके खाते में कुछ रकम भेजने की बात कही। जिसके बाद आरोपी ने पीड़ित को व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। जिसको ओपन करने के बाद आरोपी द्वारा बताए गए तरीके पीड़ित ने अपनाएं। जिसके बाद उनके खाते से करीब 1 लाख रुपये की रकम गायब हो गई। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी को फोन किया। लेकिन आरोपी ने फोन रिसीव नहीं किया। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर रविवार को आरोपी के खिलाफ शिकायत की। इस बारे में कोतवाली प्रभारी दनकौर संजय सिंह का कहना है कि पीड़ित की शिकायत ले ली गई है। जिसके आधार पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साइबर अपराध के मामले आए दिन बढ़ते जा रहे हैं। उसके बावजूद भी लोग जागरुक नहीं हो रहे हैं। अधिकांश मामले ऐसे देख गए हैं, जिनमें आरोपियों के झांसे में फंसकर लोग लालच के चक्कर में अपनी रकम उड़ा देते हैं। इसके बावजूद भी लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं। साइबर एक्सपर्ट दुष्यंत गुप्ता का कहना है कि ऐसे मामलों के लिए सबसे पहले लोगों को जागरूक होना होगा, यदि कोई परिचित बताकर लिंक भेज रहा है, तो बिना उसकी जांच पड़ताल के आप लिंक को ओपन ना करें। साथ ही किसी अज्ञात व्यक्ति को अपनी बैंक से संबंधित पर्सनल डिटेल भी साझा ना करें। ओटीपी वगैरा तो बिल्कुल ही ना भेजें। वरना ठगी का शिकार हो सकते हैं।

संगठन को चुस्त दुरूस्त करने का पाठ पढ़ाया

जौनपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के तत्वाधान में पार्टी के समीक्षा बैठक जनक कुमारी इंटर कॉलेज में हुई । समीक्षा बैठक शालिग्राम यादव राष्ट्रीय संगठन मंत्री , राम ललित चौधरी पटेल, पूर्व मंत्री और बेदी राम विधायक विधायक जखनिया, गाजीपुर लिये। जनपद के हर विधानसभा से आए हुए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी गण उपस्थित हुए जिनका बूथ से लेकर जिला इकाई तक राष्ट्रीय नेताओं द्वारा समीक्षा लिया गया । समीक्षा भाषण में बोलते हुए सभी नेताओं ने बूथ से लेकर ब्लॉक, विधानसभा व जिला स्तरीय संगठन को पुनरीक्षित करने और चुस्त–दुरुस्त करने के लिए संगठन का पाठ पढ़ाया। विधायक बेदी राम ने कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के एनडीए के गठबंधन होने से अब विपक्ष हताश, निराश एवं उदास हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में सुभासपा व भाजपा गठबंधन द्वारा लोकसभा की 80 सीट पर जीत जाएगी ।,

ब्रम्हावर्त घाट पर नाबालिग खतरे के निशान पर बह रही गंगा में स्टंटबाजी करते हुए दिखाई दिए

कानपुर। कानपुर में बिठूर के ब्रह्मावर्त घाट पर नाबालिग खतरे के निशान पर बह रही गंगा में स्टंटबाजी करते हुए दिखाई दिए। खतरे के निशान पर बह रही गंगा में स्टंटबाजी से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। इसके बाद भी इन्हें रोकने–टोकने वाला कोई नहीं है। जबकि घाट पर 24 घंटे पुलिस मौजूद रहती है। पब्लिक के लोग भी वीडियो बनाकर नाबालिगों को प्रोत्साहित करते दिखे। कानपुर में गंगा खतरे के निशान पर बह रही हैं। गंगा में इतना पानी है कि कटरी यानी गंगा के किनारे के गांवों को तेजी से खाली कराया जा रहा है। गंगा के घाटों पर स्नान करने पर रोक लगा दी गई है। इसके बाद भी रविवार को कानपुर के बिठूर स्थित ब्रह्मावर्त घाट पर आठ से दस नाबालिग गंगा में स्टंटबाजी करते दिखे। घाट किनारे मौजूद मंदिर के गुंबद से नाबालिग गंगा में छलांग लगा रहे थे। गिरने या फिर तेज बहाव के चपेट में आने से कोई भी हादसा हो सकता है।

पर्यावरण सुधार के लिए पेड़ पौधे जरूरी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में बीटेक कंप्यूटर साइंस सेकेंड सेमेस्टर और शोध छात्रों के द्वारा 90 पेड़ पौधों का दान किया गया।इन पौधों को इंजीनियरिंग संस्थान के पास नवनिर्मित डिवाइडर एवं सड़क किनारे लगाया गया ।कार्यक्रम के संयोजक डॉ राजकुमार ने कहा कि पेड़ पौधे लगाने से हमारा वातावरण संतुलित होता है तथा जलवायु परिवर्तन भी ठीक होता है। पौधरोपण करने से ना सिर्फ हमारा जीवन बल्कि जंगलों में जीव जंतुओं को भी राहत मिलता है। पेड़ पौधे लगाना अपने अच्छे भविष्य के निर्माण की नींव रखने के बराबर है, इसीलिए कहा जाता है वृक्ष है तो जीवन है।इन पौधों में आम, फॉक्सटेल पाम, बोतल पाम, बौगैनविलिया कामिनी, पीपल शामिल है स विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए पंजिका पर इन छात्र–छात्राओं द्वारा इसकी प्रविष्टि कराई गई स इसको यूपी गवर्नमेंट के पोर्टल हरीतिमा अमृत पर भी अपलोड किया गया स पौधरोपण अभियान में छात्र–छात्राओं के अलावा डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डॉ0 मनीष प्रताप सिंह, डॉक्टर इंद्रेश गंगवार एवं डॉक्टर नितेश जायसवाल समेत सैकड़ों विद्यार्थी भी शामिल थे।

खबर एक नजर में

अमोइयां प्रधान ने फांसी लगाकर समाप्त की अपनी जीवन लीला

जिला संवाददाता खबर दृष्टिकोण हसनगंज उन्नाव। विकासखंड हसनगंज के ग्राम पंचायत अमोईया के प्रधान ने स्वयं को फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर दिया स पिछले तीन–चार दिनों से अमोईया प्रधान साहब लाल उम्र लगभग 36 वर्ष गायब थे उनके परिवार के लोगों द्वारा उन्हें लगातार तलाशा जा रहा था परंतु आज दिनांक 16/07/2023 को साहब लाल का मृतक शरीर आम के बाग के एक पेड़ से लटका हुआ सुबह लगभग 7:00 पाया गया यह देख कर पूरे गांव में अफरा तफरी मच गई तथा परिवारी जनों का रो–रो कर बहुत बुरा हाल है स पुलिस द्वारा लाश को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए उन्नाव भेज दिया गयासबताते चलें की अमोइय प्रधान साहब लाल पुत्र गुरु बक्श इसी गांव के निवासी हैं परिवार में इनकी पत्नी शारदा तथा दो छोटी बच्चियां एक 3 माह की है तथा दूसरी 15 माह के लगभग है स मृतक प्रधान साहब लाल की एक बहन जो कि लगभग 18 ,19 साल की हो गई है और शादी योग्य है स साहब लाल अपने परिवार के एकमात्र सहारा थे स साहब लाल की पत्नी द्वारा बार–बार रोककर कहा जा रहा था कि मेरे पति ने फांसी नहीं लगाई बल्कि उनकी हत्या करके उन्हें टांगा गया है मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

श्री कृष्णा विहार का चुनाव सम्पन्न, मान सिंह बने अध्यक्ष तो शिव नरेश शर्मा को बनाया गया सचिव

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। पीजीआई क्षेत्र की श्री कृष्णा विहार कॉलोनी कल्याण समिति का रविवार को द्विवार्षिक चुनाव कराया गया। इस बार

सभी अध्यक्ष पद पर चुनाव कराया गया बाकी सभी पदों पर निर्विरोध चुनाव हुआ। अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव में 89 मत पाकर मान सिंह ने एकतरफा जीत हासिल की। जबकि शिव नरेश शर्मा को सबकी सहमति से सचिव चुना गया। जबकि संजय अग्रवाल और राम प्रवेश गिरि उपाध्यक्ष, श्याम किशोर तिवारी और अजय तिलहरी उप सचिव, दीपू यादव संगठन मंत्री, राज नारायण सोनी कोषाध्यक्ष वहीं विजय यादव, राधेश्याम मिश्रा, राजेश बहादुर सिंह, विनोद पांडेय, पिंटू यादव, सुन्दरलाल, वीरेन्द्र बहादुर सिंह, अनिल बाजपेयी व अनुराग श्रीवास्तव निर्विरोध सदस्य चुने गये। अधिवक्ता जे आर राय की टीम द्वारा निष्पक्ष चुनाव कराया गया। चुनाव के दौरान कॉलोनी के आर बी सिंह, के के तिवारी, आलोक सिंह, अजय यादव, पारितोष ओझा, आरडी यादव, सुशील बाजपेयी, विनोद त्रिवेदी मौजूद रहे।

हिंदू युवा मंच के स्थापना दिवस संत सम्मेलन का हुआ आयोजन

गोसाईगंज के मलौली में विशाल संत सम्मेलन व कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन,लुलू माल में हनुमान चालीसा का पाठ करने वाले बजरंगियों को किया गया सम्मानित

मोहनलालगंज।गोसाईंगंज के मलौली गांव में रविवार को हिंदू युवा मंच के स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आदित्य मिश्रा द्वारा विशाल संत सम्मेलन का आयोजन किया किया गया है। जिसमें प्रसिद्ध साधु संतो के समागम के साथ–साथ वीर रस के राष्ट्रवादी कवियों द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में हजारों लोगों द्वारा एक साथ हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। आयोजक आदित्य मिश्रा ने बताया कि इस संत सम्मेलन में जगन्नाथपुरी के मुख्य देतापति भवानी दास जी महाराज,राजकुमार दास, अयोध्या महंत बलराम दास ,हनुमंत गढी अयोध्या धाम एवं महंत बजरंग दास हनुमान गढ़ी नैमिषारण्य धाम एवं अन्य संत महानुभावों का आना हुआ।उन्होने बताया 8 जोड़ो की जो अन्य धर्मों में चले गए थे उनकी सनातन धर्म में घर वापसी की गई तथा उनका विवाह हिन्दू धर्म के अनुसार संपन्न कराया गया। लूलू माल में हनुमान चालीसा का पाठ करने के दौरान जेल गए बजरंगियो को सम्मानित भी किया गया।इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में कवि कमल अग्नेय, रामेश्वरप्रसाद द्विवेदी "प्रलंकार", डॉ अश्वनी शुक्ल,विख्यात मिश्रा सहित अन्य कवियों में अपनी वीररस की कविताओं से लोगों ने नए जोश का संचार कर दिया।

मिर्च और भिंडी की माला पहनकर सपाइयों ने किया विरोध प्रदर्शन

कानपुर। कानपुर में सब्जी के आसमान छूते दामों के विरोध में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने रविवार को मिर्च और भिंडी की माला पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस से कार्यकर्ताओं के बीच धक्का मुक्की भी हुई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वह जनता की आवाज उठाने के लिए सड़क पर उतरे थे। सब्जी बेचने के लिए वह चौराहे–चौराहे जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उनके साथ धक्का–मुक्की की। सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि आने वाले दिनों में लगातार हर चौराहे पर समाजवादी पार्टी महंगी सब्जी के विरोध में प्रदर्शन करेगी। कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मार्बल मार्केट में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने महंगी सब्जी के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। महंगी सब्जी होने के विरोध में

महिलाओं ने भिंडी और मिर्च की माला बनाकर गले में पहनकर विरोध किया। सरकार के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। सपा जिलाध्यक्ष फजल महमूद ने बताया कि जनता की आवाज उठाने के लिए समाजवादी पार्टी के लोग सड़क पर निकले। लेकिन पुलिस ने कार्यकर्ताओं के साथ धक्का–मुक्की की।उन्हें प्रदर्शन करने से रोका। उन्होंने बताया कि किदवई नगर मार्बल मार्केट से जैसे ही महिलाओं और पुरुष कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन शुरू किया। पुलिस ने उन्हें रोकना शुरू कर दिया। सब्जियों के दाम इस तरह से बढ़ गए हैं। उन्हें प्रतीकात्मक रूप से गहने बनाकर कार्यकर्ताओं ने पहना। महिलाओं ने मिर्च और भिंडी की माला बनाकर उसे धारण किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह से पुलिस ने प्रदर्शन करने से उन्हें रोका है। उन्होंने कहा कि अगले एक सप्ताह तक लगातार समाजवादी पार्टी सब्जी की बढ़ी हुई कीमतों के विरोध में इसी तरह से लगातार प्रदर्शन करेगी।

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

• आदिनाथ शिव
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

• शिव के अस्त्र-शस्त्र
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

• शिव का नाग
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

• शिव की अर्द्धांगिनी
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

• शिव के पुत्र
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

• शिव के शिष्य
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

• शिव के गण
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

• शिव पंचायत
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

• शिव के द्वारपाल
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

• शिव पार्षद
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

• सभी धर्मों का केंद्र शिव
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

• देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

• शिव चिह्न
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

• शिव की गुफा
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

• शिव के अवतार
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

• शिव का विरोधाभासिक परिवार
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

• शिव के पैरों के निशान
श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं हौं जूं स: । ऊं भू: भुव: स्व: । ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जूं हौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।

तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश : स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

• शिव महिमा
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

• शैव परम्परा
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

• शिव के प्रमुख नाम
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

• अमरनाथ के अमृत वचन
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

• शिव ग्रंथ
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

• शिवलिंग
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन : सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत : यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

• बारह ज्योतिर्लिंग
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

• शिव का दर्शन
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

• शिव और शंकर
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

• देवों के देव महादेव
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

• शिव हर काल में
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

किसी की भावना आहत नहीं होगी मैं रामायण पर बनाऊँगा ऐसी फिल्म

दंगल और छिछोरे के बाद अपनी अगली फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में चल रहे निर्देशक नितेश तिवारी हिंदू महाकाव्य रामायण पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद अब नितेश तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि रामायण पर बनाई उनकी फिल्म से किसी की भी धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के लिए उन्होंने राम-सिया के कास्ट के तौर पर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को लीड रोल में चुना है। हालांकि, डायरेक्टर की तरफ से अब तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। डायरेक्टर ने बताया कि बीते दिनों ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद ही उन्होंने ऐसे समय में रामायण पर फिल्म बनाने के फैसले को क्यों नहीं टाला। साथ ही डायरेक्टर ने ये फिल्म में राम-सिया ले रोल में रणबीर-आलिया को कास्ट करने को लेकर भी बात की। जब नितेश तिवारी से ये पूछा गया कि क्या उन्होंने आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद इस प्रोजेक्ट से पीछे हटने या कुछ दिनों के लिए इसे टाल देने के बारे में नहीं सोचा, तो उन्होंने कहा- मेरा सवाल बिल्कुल सिंपल है। जो कंटेंट मैं क्रिएट करता हूं, और लोगों के साथ मैं भी तो उसका कंज्यूमर हूं। इस वजह से मैं इस बात को लेकर बिल्कुल कॉफिडेंट हूं कि मैं जो फिल्म बनाऊंगा वो किसी की भावनाओं को चोट नहीं पहुंचाएगी। मुझे पता है कि मैं कंज्यूमर के तौर पर किस तरह का कंटेंट देखना चाहता हूं। फिल्म की कास्ट पर रणबीर-आलिया का नाम फाइनल किए जाने को लेकर अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। नितेश तिवारी ने कहा कि वो कास्ट को लेकर जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर देंगे। डायरेक्टर ने रावण के रोल में ब्लास्ट एक्टर यश उर्फ नवीन कुमार गौड़ा को चुना था। हालांकि, यश ने नेगेटिव रोल करने से मना कर दिया। इससे पहले ऋतिक रोशन को रावण के रोल में कास्ट किए जाने की बात भी सामने आ रही थी, लेकिन प्रोजेक्ट में हो रही देरी की वजह से ऋतिक रोशन ने भी इस रोल के लिए मना कर दिया था।

अधूरा को अपने सेंसटिव थीम के लिए सोशल मीडिया पर मिला खूब सारा प्यार और सरहाना

हाल ही में प्राइम वीडियो और एम्मे एंटरटेनमेंट ने अपनी पहली हिंदी हॉरर सीरीज़ अधूरा लॉन्च की है। इस सीरीज के स्ट्रीम होते ही क्रिटिक्स और मीडिया रिव्यूअर्स ने इसकी सस्पेंसफुल मिस्ट्री, दिलचस्प स्क्रीनप्ले की सराहना की, जिसमें डरावनी कहानी में कुछ अहम मुद्दों को बुनने के साथ-साथ विभिन्न और दिलचस्प तत्व शामिल हैं। और अब, दर्शक भी अपने सोशल मीडिया पेज पर विभिन्न किरदारों और स्थितियों के जरिए बुलिइंग और होमोफोबिया को छूने के लिए बहुत सारा प्यार और सराहना साझा कर रहे हैं। बुलिइंग के पहलुओं और युवा दिमागों पर इसके प्रभाव को उजागर करने और होमोफोबिया को संबोधित करने के लिए अधूरा ने दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाया है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज को लेकर दर्शक काफी बातें कर रहें है।

एक साल के ब्रेक पर जाने से पहले सामंथा ने पूरी की सिटाडेल की शूटिंग

पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी बीमारी के चलते फिल्मों से तकरीबन एक साल का ब्रेक ले रही है। उन्होंने सिटाडेल के भारतीय रूपांतरण की शूटिंग पूरी कर ली है। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी के साथ शूट खत्म होने की घोषणा की। भारतीय रूपांतरण का निर्देशन राज और डीके द्वारा किया गया है। इसमें वरुण धवन और सिकंदर खेर भी हैं। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट की और इसे कैप्शन दिया- 13 जुलाई हमेशा स्पेशल दिन होगा। और यह सिटाडेल का समापन है। एक्ट्रेस अपने सभी पेंडिंग काम पूरे कर रही हैं। पिछले हफ्ते ही सामंथा ने अपनी अपकमिंग फिल्म खुशी की शूटिंग पूरी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा को एक ऑटो-इम्यून बीमारी, मायोसिटिस है, जो उनकी मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाती है जिससे गंभीर दर्द होता है। एक्ट्रेस अब अपने इलाज पर ध्यान देने के लिए एक्टिंग से एक साल का ब्रेक लेंगी।

लखनऊ की लड़की की कहानी कहना चाहती हैं नुसरत भरूचा

प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी हिट फिल्में दे चुकीं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा एक के बाद एक बेहतरीन काम किए जा रही हैं। लेकिन अभी भी उनका एक ऐसा ड्रीम रोल है जो वो करना चाहती हैं। साथ ही नुसरत ने बातचीत में हमें ये भी बताया कि वो किस तरह का पार्टनर चाहती हैं। प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और जनहित में जारी जैसी फिल्मों से नुसरत भरूचा ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग का परिचय दिया। अपने किरदार से पहले कहानी के बारे में सोचने वाली 'ड्रीम गर्ल' को अभी उनके सपनों का राजकुमार नहीं मिला है। उनका मानना है कि ऐसा नहीं है कि किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है।

किरदार के बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं

स्क्रिप्ट के चुनाव से पहले मैं कहानी और डायरेक्टर भी देखती हूं। अगर स्टोरी अच्छी हो और डायरेक्टर सही ना हो तो वो खराब हो जाती है। अगर डायरेक्टर अच्छा हो और कहानी ठीक-ठीक हो तो भी वह उसे बेहतरीन बना देता है। इस वजह से मैं इन दोनों चीजों पर खासा ध्यान देती हूं। मैं यही मानती हूं कि आप जो करने आए हैं, उसे ईमानदारी के साथ निभाइए। जो भी काम मेरे पास आ रहा है, सबसे पहले मुझे अच्छा लगना चाहिए। फिर मैंने अगर तय कर लिया कि मुझे फिल्म करनी है तो मैं किसी के बारे में नहीं सोचती। मैं अपने किरदार की बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं।

लोग भूल जाएं तो नया रास्ता चुन लें

हम ऐक्टर्स भी भावुक होते हैं। ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ पर्दे पर ही इमोशन दिखाते हैं। कोई भी फिल्म बनाने में बहुत मेहनत लगती है। आपकी जिंदगी में कुछ असल में होता है तो इमोशन आते हैं, जबकि पर्दे पर हमें वह इमोशन क्रिएट होता है, जो कि मुश्किल है। उसके बाद अगर आपकी फिल्म को लोग नाकार देते हैं, पसंद नहीं आती या बॉयकॉट हो जाती है तो काफी दुख होता है। शायद, ऐसा कुछ है, जो हमें बदलना चाहिए। इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ दिया है। इतने समय में मैंने जो एक चीज सीखी है कि आप आज हो तो कल गायब भी हो सकते हो। लोगों का प्यार आज आपके पास है, कल हो सकता है वो आपको भूल जाएं।

मेरा किसी से अफेयर नहीं चल रहा

बॉलीवुड रीमेक पर निर्भर होता जा रहा है। इस पर नुसरत ने कहा कि फिल्मों में ऐसा ट्रेंड आता ही है। जैसे अगर कोई फिल्म चल गई तो पांच-दस प्रोड्यूसर वैसी ही फिल्में बनाने में लग जाएंगे। एक रीमेक चल गई तो सबने सोचा कि वैसी ही फिल्में बनानी चाहिए। ऐसा नहीं है कि आप किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है। अदाकारा ने अपने अफेयर की चर्चाओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मेरा अभी किसी से अफेयर नहीं चल रहा है।

कोरोना के समय ओटीटी ने ही बचाया था

ओटीटी से फिल्मों को खूब चुनौती मिल रही है। ये इतनी बड़ी परेशानी हो गई है, जिसे हम अभी समझ ही नहीं पा रहे लेकिन अभी इसका हल किसी को नहीं पता। कोरोना के समय में हमें बचाया भी ओटीटी ने ही था क्योंकि उस समय इसी प्लेटफॉर्म पर ही लोगों ने घर बैठे सिनेमा देखा। अब ओटीटी की जो ऑडियंस बन गई है, उसे अब मिटा तो नहीं सकते। अब ये संतुलन कैसे बनेगा कि ओटीटी भी चलता रहे और दर्शक सिनेमाघर भी आएं तो इस बारे में जरूर विचार करना होगा।

इत्मिनान से इमामबाड़ा घूमना है

लखनऊ की भाषा, अदा और नजाकत पर मैं फिदा हूं। यहां लोग खुशमिजाज है और दिल खोलकर खाते हैं। लखनवी चिकन शहरवालों की खूबसूरती को निखारता है। मैं इमामबाड़े में इत्मीनान से घूमना चाहती हूं। हालांकि, पिछली बार जब मैं यहां आई तो मास्क लगाकर वहां गई थी। शहर का खाना भी बहुत स्वादिष्ट है। लखनऊ में मैंने पहले 'अजीब दास्तां' की शूटिंग की थी। मैं चाहती हूं कि कोई लखनऊ की लड़की की कहानी लिखे तो मैं फिर यहां आकर शूटिंग करूं। जैसे मैंने भोपाल में कई फिल्में शूट की हैं क्योंकि उनकी कहानी वहां की पृष्ठभूमि पर थीं।

इस वजह से परेश रावल ने अक्षय कुमार की ओएमजी 2 से किया किनारा

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ओएमजी 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। ओएमजी 2 में अक्षय भोलेबावा के अवतार में नजर आएंगे। फिल्म का टीजर देखने के बाद फैंस ने एक्टर परेश रावल को काफी याद किया और सबके मन में यही सवाल है कि आखिर क्यों परेश ओह माय गॉड 2 में नहीं हैं। तो परेश रावल ने एक इंटरव्यू में इस फिल्म का हिस्सा न बनने को लेकर वजह बताई थी।

उर्फी जावेद ने कुरकुरे खाने का तरीका बताया

उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर अपना नया वीडियो शेयर किया है, जो सुर्खियों में छाया हुआ है। उन्होंने कुरकुरे खाने से पहले कुछ ऐसा किया, जिसे देख लोगों का माथा ठनक गया। दरअसल, वो कुरकुरे को धोकर खाती नजर आई। ये देख सब चौंक गए। उर्फी ने ये भी कहा कि कुरकुरे खाने का यही सबसे बेस्ट तरीका है। उर्फी जावेद अजीबोगरीब फैशन के लिए जानी जाती हैं। वो आए दिन अपने आउटफिट्स को लेकर एक्सपेरिमेंट करती हैं। कभी वो बैग से ड्रेस बनाकर पहन लेती हैं तो कभी बालों से ही खुद को ढक लेती हैं। अपनी यूनीक ड्रेसेज की वजह से वो आलोचना का भी शिकार होती हैं। खैर। इस बार वो ड्रेस नहीं, बल्कि किसी और चीज के लिए चर्चा में हैं। उनका वीडियो देखने के बाद पहले लोगों को लगा कि वो कोई ड्रेस बनाने वाली हैं, लेकिन फिर उन्होंने ऐसा काम कर दिया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। दरअसल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वो किचन एरिया में खड़ी नजर आती हैं। उनके हाथ में एक स्टेनर होता है। वो कुरकुरे को उसमें डालती हैं और फिर नल के नीचे ले जाकर पानी से धो देती हैं। उर्फी बताती हैं कि कुरकुरे खाने का यही सबसे बेस्ट तरीका है।

हेरा फेरी 3 के अलावा इन दो फिल्मों के सीक्वल से जुड़े सुनील

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी जल्द ही अपनी बेहतरीन कॉमेडी फिल्म हेरा फेरी की अगली किस्त हेरा फेरी 3 में नजर आने वाले हैं। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म के अलावा सुनील की आवारा पागल दीवाना के सीक्वल और अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम की तीसरी किस्त के भी लौटने की संभावना है। इन फिल्मों से जुड़े हर एक अपडेट पर फैंस अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं। वहीं, इन मूवी को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 में एक क्रॉसओवर होगा, इस खबर मात्र ने ही फैंस के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। पहले एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने केवल हेरा फेरी 3 बल्कि दो और कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी के लिए भी साथ आ रहे हैं, जिनमें आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 शामिल है। वहीं, अब इन खबरों पर खुद सुनील शेट्टी ने चुप्पी तोड़ते हुए पक्की मुहर लगा दी है। हालिया इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने पुष्टि की कि वह आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 के साथ लौट रहे हैं, जहां वह जॉनी लीवर के जरिए निभाई गई छोटा छत्री के साथ येडा अन्ना की अपनी भूमिका को दोहराएंगे। सुनील शेट्टी ने अपने किरदार और फिल्म के सीक्वल पर मुहर लगाते हुए कहा, आवारा पागल दीवाना सीक्वल की कहानी तय हो गई है, लेकिन वेलकम 3 पहले आ सकती है। मैं वेलकम 3 का भी हिस्सा हूं। हेरा फेरी 3, आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 इन तीनों ही फिल्मों को फिरोज नाडियाडवाला प्रोड्यूस करने वाले हैं। वहीं, बीते दिन हेरा फेरी 3 से पीछे हटने का कारण बताते हुए अक्षय कुमार ने कहा था, हेरा फेरी मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मुझे भी दुख होता है कि इतने वर्ष से फिल्म नहीं बनी, लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि हमें कुछ अलग सोचना होगा। देखिए फिल्म की जो स्क्रिप्ट आई उससे मैं खुश नहीं था, इसलिए मैं पीछे हट गया।

दिल्ली में डीसीएम बिल्डिंग में आग लगी

नई दिल्ली। दिल्ली के बाराखंबा रोड पर डीसीएम बिल्डिंग की नौवीं मंजिल पर आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। डीएफएस के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक, शाम 6ः20 बजे कनॉट प्लेस, बाराखंबा रोड स्थित डीसीएम बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिली। कुल 10 फायर टेंडरों को घटनास्थल पर भेजा गया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

सीयूईटी-यूजी परिणाम घोषित, 22 हजार उम्मीदवारों ने हासिल किए 100 परसेंटाइल

दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) के नतीजे घोषित किए, जिसमें 22,000 से अधिक उम्मीदवारों ने 100 परसेंटाइल हासिल किए हैं। छात्रों ने सबसे ज्यादा अंक अंग्रेजी में हासिल किए हैं, उसके बाद जीव विज्ञान और अर्थशास्त्र के छात्र हैं। प्रवेश परीक्षा के दूसरे संस्करण के लिए 11.11 लाख से अधिक उम्मीदवार उपस्थित हुए थे। परीक्षा में 5,685 उम्मीदवारों ने अंग्रेजी में 100 परसेंटाइल प्राप्त किए, 4,850 उम्मीदवारों ने जीवविज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन विज्ञान में शीर्ष स्कोर प्राप्त किया, इसके बाद 2,836 उम्मीदवारों ने अर्थशास्त्र में उच्च स्कोर प्राप्त किए।एनटीए की वरिष्ठ निदेशक साधना पाराशर ने कहा, ‘‘प्रत्येक उम्मीदवार के प्रदर्शन का मूल्यांकन समान-परसेंटाइल विधि का इस्तेमाल करके किया गया है, जिसमें प्रत्येक उम्मीदवार के सामान्यीकृत अंकों की गणना एक ही विषय के लिए कई दिन के सत्र में छात्रों के प्रत्येक समूह के परसेंटाइल का इस्तेमाल करके की गई है।%% उन्होंने कहा, ‘‘एनटीए की भूमिका उम्मीदवारों के पंजीकरण, परीक्षा का संचालन, उत्तर कुंजी प्रस्तुत करने, चुनौतियों को आमंत्रित करने, उत्तर कुंजी को अंतिम रूप देने, परिणाम तैयार करने और घोषित करने तथा स्कोरकार्ड की मेजबानी तक ही सीमित है। पाराशर ने बताया, ‘‘भागीदारी वाले विश्वविद्यालयों और संस्थाओं द्वारा एक मेरिट सूची तैयार की जाएगी। विश्वविद्यालय एनटीए द्वारा उपलब्ध कराए गए सीयूईटी (यूजी) - 2023 के स्कोरकार्ड के आधार पर अपनी काउंसलिंग के बारे में निर्णय लेंगे।%% आवेदकों की संख्या के हिसाब से सीयूईटी-यूजी देश की दूसरी सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। इसके पहले संस्करण में 12.5 लाख छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था और 9.9 लाख ने अपने आवेदन जमा किए थे।

टमाटर की खेती ने 30 दिन में बदली इस किसान की किस्मत... रातोंरात बन गया करोड़पति

दिल्ली। आसमान छूती टमाटरों की कीमतों ने एक किसान की ऐसी लॉटरी निकाली कि वह केवल 30 दिनों में करोड़पति बन गया। दरअसल, पुणे के जुन्नार के गायकर परिवार के एक किसान ने कई लोगों को रोजगार दिया। टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच किसान गायकर ने कुल 900 टमाटर की क्रेट बेच कर मात्र एक दिन में 18 लाख रुपए कमाएं। इस तरह कई टमाटर उत्पादक करोड़पति और लाखपति बन गए हैं। बता दें कि पचघर पुणे और नगर जिले की सीमा पर स्थित एक छोटा सा गांव जिसे ग्रीन बेल्ट के नाम से जाना जाता है। वहां तके रहने वाले गायकर परिवार के तुकाराम भागोजी गायकर के पास 18 एकड़ बागवानी भूमि है जिन्होंने अपने बेटे ईश्वर गायकर और बहू सोनाली की मदद से इसमें से 12 एकड़ में टमाटर की खेती की और इतना ही नहीं गायकर के टमाटर की खेती में करीब 100 से अधिक महिलाए काम करती है। किसान गायकर के मुताबिक, उनकी बहू सोनाली गायकर टमाटर के बगीचे की खेती, कटाई, टोकरा भरना, छिड़काव आदि का प्रबंधन करती है और बेटा ईश्वर गायकर बिक्री प्रबंधन और वित्तीय योजना बनाता हैअच्छा बाजार मिलने से पिछले 3 महीनों काफी कमाई की। तुकाराम भागोजी गायकर को इस साल टमाटर की फसल ने कई सालों की मेहनत सूद समेत लौटाई। दरअसल, 11 जुलाई 2023 को टमाटर की क्रेट का मूल्य 2100 रुपए (20 किलो क्रेट) मिला जिसके बाद उन्होंने कुल 900 टमाटर की क्रेट बेचीं और इसके लिए एक ही दिन में उन्हें भारी भरकम 18 लाख रुपये मिले।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बोले- चंद्रयान अभियानों से भारत ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है

दिल्लीः केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जिन देशों ने चंद्रमा पर अब तक अन्वेषण कार्य किया है, वे अब तक उस तरह की उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये हैं जो चंद्रयान अभियानों के दौरान भारत ने अर्जित की है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री सिंह ने यहां कहा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा शुरू किए गए ‘चंद्रयान मिशन’ ने भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के मामले में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए अपने तीसरे चंद्र मिशन-‘चंद्रयान-3’ का सफल प्रक्षेपण किया था। इस अभियान के तहत

यानी 41 दिन की अपनी यात्रा में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर एक बार फिर ‘सॉफ्ट लैंडिंग’ का प्रयास करेगा जहां अभी तक कोई देश नहीं पहुंच पाया है।

सिंह ने कहा, ‘‘हमने भले ही अपनी अंतरिक्ष यात्रा अन्य देशों की तुलना में बहुत बाद में शुरू की थी, लेकिन जिन लोगों ने हमसे पहले इस तरह के अभियान शुरू किये थे वे उन निष्कर्षों को प्राप्त नहीं कर सके जो चंद्रयान (मिशन) द्वारा प्राप्त किये गये हैं।’’उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के तहत उन प्रयोगों का विस्तार किया जा रहा है, जो भविष्य में चंद्रमा पर मानव जीवन की संभावना का संकेत देते हैं। सिंह 14 जुलाई को चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर दूर स्थित श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-3 मिशन के सफल प्रक्षेपण के मौके पर मौजूद थे। सिंह ने कहा कि चंद्रमा मिशन के नतीजों से भारत को कई स्तरों पर फायदा मिलेगा। केंद्र द्वारा चंद्रयान मिशन की परिकल्पना की गई थी और 15 अगस्त, 2003 को दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा इसकी औपचारिक रूप से घोषणा की गई थी।

नोएडा में शातिर बदमाश से चोरी की 3 मोबाइल फोन व असलहा बरामद

नोएडा। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन और अवैध हथियार बरामद किया है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी संदीप चौधरी ने बताया कि थाना पुलिस ने एक सूचना के आधार पर रवि रंजन नामक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से विभिन्न जगहों से चोरी किए हुए तीन मोबाइल फोन और एक चाकू बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को बताया है कि वह घरों में सो रहे लोगों के फोन और अन्य सामान चोरी करता हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में थाना पुलिस ने कीर्ति हलधर को सेक्टर-51 के हिटलर पार्क के से गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 35 पव्वे अवैध शराब बरामद किया है।

नोएडा में नामी शैक्षिक संस्थाओं के जाली मार्कशीट व सनद बनाने वाले 3 गिरफ्तार

नोएडा। देश के विभिन्न नामी शैक्षिक संस्थाओं के जाली कूटरचित मार्कशीट, सनद व अन्य महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रमाण-पत्र बनाने वाले तीन शातिर बदमाशों को थाना सेक्टर-63 पुलिस ने बहलोलपुर अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में फर्जी मार्कशीट, माईग्रेशन सर्टीफिकेट (टीसी), एडमिट कार्ड, प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, मुहर, व 01 इंकपैड़, 01 लैपटॉप, 02 प्रिंटर, 61 प्लेन सीट रंग हरा, 54 सफेद सीट, 02 पैमेन्ट मशीन (पीओएस मशीन), लैंण्डलाईन फोन, 9 एटीएम डेबिट कार्ड, बैंक पासबुक व अपराध में प्रयुक्त 02 कार बरामद किया है। थाना सेक्टर-63 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि नोएडा में भिन्न-भिन्न शैक्षिक संस्थाओं का जाली मार्कशीट, सनद व अन्य महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रमाण-पत्र बनाने वाला गिरोह सक्रिय हैं उन्होंने बताया कि मुखबीर द्वारा मिली सूचना के आधार पर आज थाने की पुलिस ने बहलोलपुर अण्डरपास के पास से तीन शातिर अभियुक्त थानचन्द शर्मा पुत्र

महेश शर्मा, पुष्पेन्द्र यादव पुत्र राजू यादव तथा गोविन्द अग्रवाल पुत्र मिश्री अग्रवाल को गिरफ्तार कर उक्त सामान बरामद किया है।

उन्होंने बताया कि शातिरों द्वारा कम समय में अधिक से अधिक धन अर्जित करने के लालच में यह फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। शातिरों ने पुलिस को बताया है कि वे बेरोजगार, परीक्षा में फेल तथा नौकरी की आयु पार कर देने वाले लोगों की फर्जी मार्कशीट व अन्य शैक्षिक प्रमाण पत्र बनाते है, जिनको वे अलग-अलग प्रान्तीय बोर्ड से संबंधित दिखाते है। शातिरों द्वारा बनायी गयी जाली मार्केशीट व अन्य महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रमाण-पत्र आदि में वे ग्राहक की इच्छानुसार उसकी आयु, प्राप्त अंकों, प्रतिशत व ग्रेड अंकित कर देते हैं। जिससे फर्जी प्रमाण-पत्र व मार्कशीट आदि बनवाने वाले इसका प्रयोग नौकरी पाने तथा अन्य अपने स्वार्थ पूरा करने के लिये इस्तेमाल कर लेते है।

जिसके बदले शातिर फर्जी मार्कशीट व माईग्रेसन लेटर (सनद), प्रमाण पत्र आदि का ग्राहकों से 20-30 हजार रूपये या ग्राहक की मजबूरी देखकर उसके हिसाब से रूपये लेते हैं। बरामद पैमेन्ट मशीन (पीओएस मशीन) के जरिये भी वे ग्राहकों से इन फर्जी दस्तावेजों को बनाने के रूपये लेते थे। उन्होंने बताया कि अभियुक्त गोविन्द अग्रवाल को उप्र. की एसटीएफ लखनऊ शाखा द्वारा भी फर्जी मार्कशीट व अन्य महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रमाण पत्रों के प्रकरण में पूर्व में भी थाना चिनहट, कमिश्नरेट लखनऊ से जेल भेजा जा चुका है।

नोएडा में सीएनजी पंप पर पति-पत्नी से मारपीट, हाथ की हड्डी तोड़ी

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र में स्थित सीएनजी पंप पर सीएनजी भरवाने के लिए खड़े एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के साथ एक कार में सवार दो अज्ञात लड़कों ने मारपीट कर हाथ की हड्डी तोड़ दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि नरेंद्र सिंह निवासी दिल्ली ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 6 जुलाई को वह अपनी कार में सीएनजी भरवाने के लिए गौर सिटी के पास स्थित पेट्रोल पंप पर लाइन में खड़े थे।

उनका आरोप है कि तभी एक हरियाणा नंबर की कार में सवार होकर दो लड़के आए तो उनकी कार में उन्होंने जबरन टक्कर मार दिया।

उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें तथा उनकी पत्नी श्रीमती रेशमा देवी के साथ मारपीट कर गाली-गलौज की। कार सवार दोनों युवकों ने उनके साथ मारपीट कर उनके हाथ की हड्डी तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने अपना उपचार करवाने के बाद थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस कार के नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

नोएडा में शर्मनाक मामला, इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की महिला की अश्लील फोटो,महिला बोली- में आत्महत्या कर लूंगी

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-46 में रहने वाली एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक अज्ञात व्यक्ति सोशल मीडिया पर उसका अकाउंट बनाकर उसकी अश्लील फोटो वायरल कर रहा है। जिसकी वजह से उसकी छवि खराब हो रही है। पीड़िता का आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने पूर्व में भी उसकी सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर उसे काफी बदनाम किया है। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर-46 में रहने वाली एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक व्यक्ति ने उसकी फर्जी प्रोफाइल बनाई है, तथा उस पर वह उसकी अश्लील और निजी फोटो डाल रहा है। इस अपराध के चलते उसकी समाज में छवि खराब हो रही है।

उसके दोस्त और रिश्तेदार उसे हेय दृष्टि से देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीड़िता के अनुसार वह इस घटना के चलते काफी मानसिक तनाव में है, तथा उसकी प्रतिष्ठा को अधिक हानि पहुंच रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़िता का आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने पूर्व में भी उसकी सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर उसे काफी बदनाम किया है।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में ट्रैफिक बहाल, अभी ये सड़कें बंद रहेंगी

नई दिल्ली । दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कई सड़कें, जो पहले यमुना नदी के उफान के कारण बंद थीं, अब फिर से खोल दी गई हैं। जैसे ही बाढ़ का पानी कम हुआ, शहर के कुछ हिस्सों में सामान्य यातायात बहाल हो गया, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में यात्रियों और निवासियों को राहत मिली। घटते जल स्तर ने पुलिस को बंद की गई सड़कों को हटाने और कुछ मार्गों को फिर से खोलने की अनुमति दे दी है। जारी यातायात अपडेट के अनुसार, यमुना नदी का जल स्तर

208.60 मीटर के उच्च स्तर से घटकर 207.67 मीटर हो गया है, जिस वजह से सड़कों पर जल स्तर कम होने लगा है। सुबह 11.00 बजे तक, यातायात की आवाजाही के लिए कुछ सड़कों पर प्रतिबंधों में ढील दी गई है, जबकि कुछ सड़कें अभी भी बंद हैं।

यातायात के लिए ये सड़कें खो दी गई हैं। भैरों मार्ग- मथुरा रोड से रिंग रोड कैरिजवे को खोल दिया गया है। आईटीओ से लक्ष्मी नगर तक विकास मार्ग के दोनों कैरिजवे खोल दिए गए हैं। शांति वन से गीता कॉलोनी तक निषाद राज मार्ग दोनों कैरिजवे खोल दिए गए हैं। शांति वन से राजघाट और आईएसबीटी की ओर रिंग रोड अभी भी बंद है। इसके अलावा बुलेवार्ड रोड-स्लिप रोड-सर्विस रोड-युधिष्ठिर सेतु के अंतर्गत लेफ्ट टर्न-रिंग रोड को खोल दिया गया है। चंदगीराम अखाड़ा से मुकरबा चौक कैरिजवे खोल दिया गया है। चंदगी राम अखाड़ा से आईपी कॉलेज तक दोनों कैरिजवे खोल दिए गए हैं।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े मनी एक्सचेंज शॉप पर पांच लाख की लूट

गाजियाबाद । इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित वैभव खंड में दिन दहाड़े करीब चार बजे एक्सचेंज शॉप में तीन हथियारबंद बदमाशों ने घुसकर लूटपाट की । बदमाशों ने शॉप में बैठे शख्स को भयभीत कर पांच लाख रुपये लूट कर ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मामले के खुलासे के लिए छह टीमों का गठन किया गया है।

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना इंदिरापुरम क्षेत्रान्तर्गत वैभव खंड में सीमा मनी एक्सचेंज शॉप है। जिस पर अमनदीप नाम का व्यक्ति कार्य कर रहा था। करीब चार बजे एक व्यक्ति ग्राहक बनकर आया और वापस चला गया। बाद में वही व्यक्ति अपने दो अन्य साथियों के साथ शॉप में घुस आया और अमनदीप को हथियारों से भयभीत कर रुपए से भरा बैग लेकर फरार हो गए ।

मराठी एक्ट्रेस श्वेता शिंदे ने

रचाई दूसरी शादी, जानिए पूरी खबर शॉपमालिक ने बताया कि लूटी गई धनराशि करीब 05 लाख रुपये है। घटना के अनावरण के लिए 06 टीमे गठित की गई है ।

जल्दी ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा। दिनदहाड़े हुई इस लूट के बाद आसपास के दुकानदारों में दहशत का माहौल है।

गुरुग्राम में जेल में बंद गैंगस्टर की पत्नी जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार

गुरुग्राम । जेल में बंद गैंगस्टर अमित डागर की पत्नी को जबरन वसूली के आरोप में गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।आरोपी ट्विंकल द्वारा की गई जबरन वसूली की कोशिशों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की। इसी के आधार पर सेक्टर-10 की क्राइम यूनिट ने शुक्रवार को ट्विंकल को गुरुग्राम के भोंडसी इलाके से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस को शिकायत मिली थी कि गैंगस्टर कौशल और अमित डागर के नाम पर 5-6 लोगों ने खांडसा मंडी में रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों से 3,000 से 4,000 रुपये तक की जबरन वसूली की। शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई।

ये कैसी गुंदागर्दी है: गाजियाबाद के ‘पब’ में बाउंसरों ने लड़कियों के फाडे कपड़े, पांच दोस्तों को बुरी तरह पीटा

गाजियाबाद। एक ‘पब’ में दिल्ली से गाजियाबाद घूमने आई तीन लड़कियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। अपनी पसंद का गाना चलाने की मांग को लेकर स्टाफ के साथ हुई कहासुनी में पांच बाउंसरों ने तीन युवतियों की पिटाई कर उनके कपड़े फाड़ डाले। युवतियों के साथ आए उनके दो भाईयों ने जब युवतियों को बचाने का प्रयास किया तो उनकी भी पिटाई की गई। युवतियों का आरोप है कि लगभग 25 बार कॉल करने पर यूपी पुलिस मौके पर आई, तब तक हमलावर भाग गए। युवती के एक भाई के हाथ की हड्डी भी टूट चुकी है।

जानकारी के मुताबिक लड़की की शिकायत पर इंदिरापुरम थाने में पब के मालिक वसुंधरा सेक्टर-10 निवासी रौनक के खिलाफ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कराया है। पीड़ित युवती ने बताया कि वह अपनी दो सहेलियों और दो भाइयों के साथ इंदिरापुरम के डी मॉल में स्थित थ्रस्ट ऑफ ड्रंक्स ‘पब’ (टीओडी) रेस्तरां में आई थी और देर रात उन्होंने स्टाफ से अपनी पसंद का गाना बजाने की मांग की। स्टाफ ने एक गाना बजाने के बदले युवतियों से 500 रुपये की मांग की इसके बदले युवतियों ने स्टाफ को 1500 दिए और तीन गाने बजाने की मांग की लेकिन जब काफी देर बाद भी गाने नही बजा तो इस बात को लेकर युवतियों और स्टाफ के बीच कहासुनी शुरु हो गई। इस दौरान ‘पब’ के बाउंसरों ने लड़कियों के साथ हाथापाई शुरू कर दी और युवतियों के कपडे फाड़ दिए। युवतियों के साथ आए उनके दो भाइयों ने जब उन्हें बचाने की कोशिश की तब बाउंसरों ने उनकी भी पिटाई कर दी। बाउंसरों की पिटाई से एक युवक के हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर आया है। डीसीपी ट्रांस हिंडन विवेक यादव ने बताया कि युवतियों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। ‘पब’ मे सुबह तक तेज ध्वनि में डीजे बजाने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। इसी के साथ डीजे को भी सीज कर दिया गया है। साथ ही युवती की तहरीर पर मारपीट का केस भी दर्ज किया गया है। जिसमें मारपीट करने (ढ्ढक्क-323) जान से मारने की धमकी देने (ढ्ढक्क-506) के साथ पुलिस की बगैर अनुमति के रात 12 बजे के बाद तक रेस्तरां खोलने और डीजे बजाने का केस भी दर्ज किया गया है।

(हिन्दी दैनिक) खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210